कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 302 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 27 अक्टूबर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

जम्मू-कश्मीरः पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने वाले छात्रों, कॉलेज मैनेजमेंट पर लगा यूएपीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के हाथों भारत को शिकस्त मिलने के बाद कथित रूप से जश्न मनाने के आरोप में श्रीनगर के दो सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रों और कॉलेज प्रबंधन के ऊपर यूएपीए के तहत मुक़दमा दर्ज किया गया है। साथ ही सांबा जिले में मैच के बाद कथित रूप से पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के आरोप में छह युवकों को गिरफ्तार किया गया है। जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्रीनगर के कर्ण नगर स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान श्रीनगर (एसकेआईएमएस) सौरा के छात्रावासों में रहने वाले छात्रों, कॉलेज प्रबंधन और हॉस्टल वार्डन के खिलाफ दो अलग अलग मामला दर्ज किया गया है। रविवार को पाकिस्तान टीम के मैच जीतने के बाद दोनों मेडिकल कॉलेज के छात्रों द्वारा से कथित रूप से जश्न मनाए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। छात्रों और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं में भय व्याप्त हो गया है। छात्र संगठनों ने यूएपीए कानून के तहत दर्ज किए गए मामलों को रद्द करने की मांग की है। जम्मू और कश्मीर छात्र संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर खुहमी ने समाचार वेबसाइट द वायर से कहा कि छात्रों के खिलाफ बहुत कठोर कार्रवाई की गई है। यूएपीए लगने के बाद छात्रों का करियर तक बर्बाद हो सकता है।

अक्टूबर में पहली बार गंगा में उफान, कानपुर से वाराणसी तक मची खलबली

वाराणसी/कानपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड में पहाड़ों पर हुई बारिश का जबर्दस्त असर गंगा में देखने को मिल रहा है। पहली बार अक्टूबर में गंगा में इस तरह का उफान आया हुआ है। गंगा में बढ़ाव से कानपुर से वाराणसी तक खलबली मची है। प्रयागराज, मिर्जापुर और भदोही में भी गंगा में बढ़ाव हो रहा है। कानपुर में गंगा ने बिठूर से कटरी होते हुए शुक्लागंज तक बाढ़ की चेतावनी दे दी है। वाराणसी में घाटों का संपर्क आपस टूट गया है। दशाश्वमेध घाट पर प्रसिद्ध गंगा आ?ती स्थल भी डूब गया है। वाराणसी में जलस्तर मंगलवार की सुबह से तेजी से बढ़ने लगा। सुबह तुलसी घाट समेत निचले घाटों तक पानी पहुंच चुका था। दोपहर तक ज्यादातर घाटों का आपसी संपर्क टूट गया। कानपुर में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। वहां से मंगलवार को 3,64,797 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यह अब तक का रिकॉर्ड डिस्चार्ज है। माना जा रहा है कि देररात से लेकर बुधवार की सुबह तक वाराणसी में गंगा के पानी में और बढ़ाव होगा।सोमवार की रात पानी बढ़ने के साथ घाट किनारे रहने वालों में खलबली मच गई थी। नाविक नाव बांधने के लिए खूंटे ऊंचाई पर ले गए। दुकानदारों ने भी सामान समेटना शुरू कर दिया। सोमवार की सुबह आठ बजे वाराणसी में गंगा का जलस्तर 63.16 मीटर था, जो मंगलवार की सुबह 63.58 मीटर पहुंच गया।

अगले दस घंटे यानी शाम छह बजे तक गंगा के जलस्तर में 14 सेंटीमीटर का बढ़ाव दर्ज किया गया। जलस्तर 63.72 मीटर हो चुका था। बता दें कि बनारस में चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर, खतरे का निशान 71.90 मीटर और उच्चतम बाढ़ बिंदु 73.90 मीटर है।

केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक पानी बढ़ने का यह क्रम अगले दो दिनों तक जारी रह सकता है। मंगलवार की सुबह ही तुलसी घाट की लाल फर्श पानी में डूब चुकी थी। दोपहर तक पानी रीवा घाट के रास्ते पर पहुंच गया और इसके साथ ही चेतसिंह घाट, शिवाला घाट, चौकी घाट डूब चुके थे। घाटों का संपर्क मार्ग पूरी तरह से कट गया था। दशाश्वमेध और शीतला घाट के आरती स्थल तक पानी पहुंच चुका है तो हरिश्चंद्र घाट पर भी हरिश्चंद्र पादुका पानी में डूब गई है। यहां शवदाह ऊपर की सीढ़ियों पर कराया जा रहा है। वाराणसी। गंगा की बाढ़ सावन के बाद भादो में उफान पर होती है। इसके बाद पितृपक्ष तक पानी लौटने लगता है। कार्तिक महीने में पानी लगभग अपने मूल स्वरूप में होता है। मगर इस साल कार्तिक महीने में गंगा में तीसरी बार आए उफान पर काशीवासी चकित हैं। संकटमोचन के महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने कहा कि कार्तिक मास में अमूमन पानी इतना नहीं बढ़ता मगर ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हो। इससे पहले भी बढ़ाव देखा गया है। मगर उन्होंने माना कि पहाड़ों पर बारिश के कारण इस बार बढ़ाव तेज है। उन्होंने बताया कि लगभग 15 साल पहले कार्तिक में तुलसी घाट की विश्वविख्यात नागनथैया लीला के दिन पानी अचानक बढ़ने लगा था। तुलसी घाट की लाल फर्श तक पानी पहुंच गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी व राष्ट्र निर्माण के लिए जीवन समर्पित करने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि पार्टी को जनता के आशीर्वाद से अनेक राज्यों और केंद्र में सेवा करने का मौका मिला है। लोगों का यह विश्वास पार्टी कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियों की शानदार भूमिका के कारण संभव हुआ है, जिन्होंने पार्टी और राष्ट्र निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने नमो ऐप के 'कमल पुष्प' खंड के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि यह जनसंघ के दिनों से लेकर वर्तमान के प्रेरक पार्टी कार्यकर्ताओं के बारे में जानकारी देता है। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में जनसंघ के सह-संस्थापक पंडित देवेंद्र शास्त्री और कर्नाटक से पार्टी सांसद रहे

मल्लिकार्जुनैया की जानकारी साझा की। उन्होंने लोगों से ऐप के 'कमल पुष्प' खंड में अपना योगदान देकर इसे और समृद्ध बनाने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, लोगों के आशीर्वाद से भाजपा को कई राज्यों और केंद्र में सेवा करने का मौका मिला है। लोगों के इस भरोसे के पीछे एक प्रमुख कारण कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों द्वारा निभाई गई तारकीय भूमिका है, जिन्होंने पार्टी और राष्ट्र निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा, नमो ऐप में 'कमल पुष्प' के नाम से जाना जाने वाला एक बहुत ही दिलचस्प खंड है जो आपको जनसंघ के दिनों से लेकर वर्तमान तक प्रेरक पार्टी कार्यकर्ताओं के बारे में साझा करने और जानने का अवसर देता है, जिन्होंने हमारी विचारधारा को लोकप्रिय बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। इस खंड में अपना योगदान दें और इसे समृद्ध करें। प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में जनसंघ के सह-संस्थापक पंडित देवेंद्र शास्त्री के संबंध में कमल पुष्प पर उल्लेखित जानकारी साझा करते हुए उनके बारे में और जानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, उत्तराखंड के स्वतंत्रता सेनानी पंडित देवेंद्र शास्त्री जी जीवन भर राजनीति के प्रतीक रहे।

एनसीबी करेगी अपने अफसर समीर वानखेड़े पर लगे आरोपों की जांच, कल सबूत जुटाने मुंबई जाएगी 5 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई क्रूज ड्रग्स केस की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अफसर समीर वानखेड़े पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अब एनसीबी की विजलेंस टीम समीर वानखेड़े पर लगे आरोपों की जांच करेगी। जांच-पड़ताल के लिए एनसीबी के विजलेंस डिपार्टमेंस की एक टीम बुधवार को मुंबई पहुंचेगी। इस टीम में 5 सदस्य हैं। समीर वानखेड़े अभी मुंबई में एनसीबी के जोनल ऑफिसर हैं। मुंबई क्रूज केस में एक गवाह ने समीर वानखेड़े

पर रिश्वत का आरोप लगाया है। इसके अलावा समीर वानखेड़े पर महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने रंगदारी और अवैध फोन टैपिंग का आरोप भी लगाया था। इसके अलावा उनपर फर्जी कागजात के आधार पर नौकरी हासिल करने का आरोप भी लगा था। एक खत लिख कर महाराष्ट्र के मंत्री ने समीर वानखेड़े पर 26 आरोप लगाए थे। नवाब मलिक ने कहा था कि अफसर की जांच होनी चाहिए। इससे पहले आज एजेंसी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल मुत्था अशोक जैन ने कहा था कि वो इस मामले में जरुरी कार्रवाई करेंगे। समीर वानखेड़े सोमवार को दिल्ली आए थे। हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया था कि उन्हें उनके वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से समन भेजा गया था। एनसीबी अफसर ने मंत्री के आरोपों के खिलाफ अदालत में एफिडेविट फाइल की है।स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के निदेशक समीर वानखेड़े मंगलवार को एजेंसी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे और यहां करीब दो घंटे का समय बिताया। वानखेड़े, क्रूज़ जहाज से मादक पदार्थ जब्त किए जाने के मामले की जांच की अगुवाई कर रहे हैं, जिसमें अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया है।

योगी सरकार ने दी बड़ी राहत

कोरोना काल में दर्ज तीन लाख मुकदमे वापस, किसानों को बर्बाद फसल का मुआवजा

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लोगों को मंगलवार को दो बड़ी राहतें दीं। एक तो आम आदमी पर कोरोना काल में दर्ज हुए तीन लाख से ज्यादा मुकदमों की वापसी का आदेश जारी कर दिया दूसरी ओर बेमौसम बरसात और बाढ़ से बर्बाद फसलों का 90 हजार से ज्यादा किसानों को 35 जिलों में मुआवजा देने के लिए 30.54 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। योगी सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए कोरोना काल में आम लोगों पर दर्ज लाखों अपराधिक मुकदमे वापस लेने का निणर्य लिया है। इससे संबंधित आदेश न्याय विभाग ने मंगलवार को जारी कर दिया। वर्तमान या पूर्व सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य इस दायरे से बाहर रखे गए हैं। इनके मामले में हाईकोर्ट की अनुमति से ही अलग से विचार किया जाएगा।

कानून मंत्री बृजेश पाठक ने बताया कि कोविड -19 प्रोटोकाल व लाकडाउन के उल्लंघन में दर्ज मुकदमें वापस लेने के लिए सभी जिला मजिस्ट्रेट से लिखित रूप से कहा गया है। अब अदालत में दर्ज हो चुके ऐसे मुकदमे वापस लेने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह पहली बार हुआ है कि एक निणर्य से इतनी बड़ी संख्या में मुकदमे वापस लिए जा रहे हैं। इस बीच न्याय विभाग के प्रमुख सचिव प्रमोद कुमार श्रीवास्तव द्वितीय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005,महामारी अधिनियम 1897 व

आईपीसी की धारा 188 आदि में प्रदेश भर में तीन लाख से अधिक दर्ज मुकदमे, जिनमें आरोप पत्र दाखिल हो चुका है, वापस लेने की कार्यवाही शुरू की जाए। असल में इस मामले में सरकार को यह कार्यवाही तीन महीने में पूरी कर अमल रिपोर्ट इलाहाबाद उच्च न्यायालय को देनी है। अगर इस तरह के मुकदमे वापस नहीं लिए जाएंगे तो संबंधित व्यक्ति को अदालत अधिकतम दो साल की सजा देने व साथ ही जुर्माना लगाने का प्रावधान है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने राज्यों को सलाह दी थी कि कोविड-19 प्रोटोकाल के उल्लंघन के मामलों की समीक्षा की जाए, जिससे सामान्य नागरिकों को अनावश्यक अदालती कार्यवाही, न्यायालयों में लंबित फौजदारी के मामलों को रोकने और नागरिकों को फौजदारी प्रक्रिया की कार्यवाही से बचाया जा सके। इस क्रम में गृह मंत्रालय ने इस तरह के अपराधिक मामलों की समीक्षा कर मुकदमे वापस लेने के संबंध में विचार करने को कहा गया। राज्य सरकार बाढ़ से बर्बाद हुई फसलों की भरपाई के लिए 35 जिलों के 90950 किसानों को कृषि निवेश अनुदान के तहत राहत सहायता प्रदान करेगी।

लखीमपुरः मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा का जेल में ही होगा इलाज, जिला अस्पताल से किया गया शिफ्ट

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हुई हिंसा के मामले में मुख्य आरोपी गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को जिला अस्पताल से जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। तबीयत बिगड़ने पर आशीष को दो दिन पहले ही जेल से जिला अस्पताल भेजा गया था। डेंगू और शुगर लेवल बढ़ने की वजह से जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनका सैंपल लखनऊ भी भेजा गया था। वहां से भी डेगू की पुष्टि हुई थी। जेल अधीक्षक ने बताया कि आशीष अभी जेल अस्पताल में रहेंगे। सीएमओ के अनुसार आशीष की स्थिति सामान्य है। इससे पहले आशीष मिश्रा में डेंगू के लक्षण मिलने पर तीन बार डेंगू की रैपिड किट से जांच की गई थी।

सबमरीन्स की गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में नेवी कमांडर समेत 5 को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने भारतीय नौसेना की किलो क्लास सबमरीन्स की गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में एक नेवी कमांडर सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी मुंबई में हुई है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सीबीआई ने पिछले महीने एक सीक्रेट ऑपरेशन की शुरुआत की थी जिसमें नौसेना के दो रिटायर्ड कमिर्यों और अधिकारियों के अलावा और कई लोगों को हिरासत में लिया गया था। एंजेसी के अधिकारियों ने बताया है कि इस मामले में सीबीआई ने अब तक दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद सहित कुल 19 स्थानों पर तलाशी ली है, जहां से जांच एजेंसी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज के साथ-साथ डिजिटल रूप में सबूत हाथ लगे हैं। मामले की जांच अभी चल रही है। आरोप है कि कमांडर

ने कथित तौर पर दो सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ किलो क्लास श्रेणी की सबमरीन्स की चल रही आधुनिकीकरण परियोजना के बारे में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की थी। अधिकारी ने कहा कि एजेंसी की एंटी करप्शन यूनिट, जो कि संवेदनशील और भ्रष्टाचार के हाई प्रोफाइल मामलों को देखती है, को इस संबंध में जानकारी लीक होने का पता लगाने का काम दिया गया था। जिसके बाद इस ऑपरेशन की शुरुआत हुई। अधिकारी ने बताया कि यूनिट ने गिरफ्तार अधिकारियों और रिटायर्ड कमिर्यों के नियमित संपर्क में रहने वाले कई अन्य अधिकारियों और पूर्व सैनिकों से पूछताछ की। फिलहाल तलाशी में बरामद किए डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक लैब में जांच चल रही है ताकि यह पताया लगाया जा सके कि सबमरीन्स से जुड़ी जानकारी निहित स्वार्थ वाले लोगों के हाथ में तो नहीं गई है।

ड्रग्स केस में पहली बेल, आर्यन संग पकड़ाए दो आरोपियों को एनडीपीसी कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चर्चित मुंबई क्रूज ड्रग्स केस मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को बेल नहीं मिल सकी। लेकिन मंगलवार को ही इसी मामले में पहली बार 2 आरोपियों को अदालत से बेल मिल गई है। अब इस केस में सबसे पहले जमानत पाने वालों में मनीष राजगढ़िया और अवीन साहू शामिल हो गए हैं। मनीष राजगढ़िया को स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट से जमानत मिली है। इसके अलावा अवीन साहू को भी इसी कोर्ट से जमानत मिली है। ये दोनों इस केस में जमानत पाने वाले पहले व्यक्ति बन गए है। वीवी पाटिल की खंडपीठ ने इनकी जमानत अर्जी मंजूर की है नारकोटिक्स कंट्रोल

ब्यूरो ने मनीष को नशीली पदार्थ के साथ पकड़ा था। इसके बाद वो 11 अक्टूबर तक एनसीबी की कस्टडी में रहा। उसके साथ उसका सहयोगी अवीन साहू भी मौजूद था। मनीष के बारे में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि वो धनबाद जिले का रहने वाला है। उसका सारा कोराबार ओडिशा के राउरकेला से चलता है। बताया जा रहा है कि उनकी स्पंज आयरन फैक्ट्री है। मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद नारकोटक्सि कंट्रोल ब्यूरो ने इस पूरी जांच-पड़ताल को आगे बढ़ाते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। एक आरोपी श्रेयस ने एनसीबी के सामने मनीष का नाम उगला था। जिसके बाद टीम ने मनीष को धर दबोचा था। जानकारी के मुताबिक मनीष राजगढ़िया के पास से हाइड्रोपोनिक वीड मिला था। आपको बता दें कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत अर्जी पर अगली सुनवाई अब 27 अक्टूबर को होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने आगे की सुनवाई के लिए कल 2:30 बजे के बाद का समय दिया है। कोर्ट में आर्यन के वकील मुकुल रोहतगी अपनी दलीलें रख चुके हैं। मुंबई उच्च न्यायालय अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत याचिका पर बुधवार को भी सुनवाई जारी रखेगा, जिन्हें इस महीने की शुरुआत में मुंबई के तट के पास एक क्रूज जहाज से मादक पदार्थों की कथित जब्ती के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति एन. वी. सांबरे ने मंगलवार को जमानत याचिका पर सुनवाई की। आर्यन खान के वकील मुकुल रोहतगी और सतीश मानशिंदे ने अदालत में कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के पास 23 वर्षीय आर्यन के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है और उन्हें गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया था और 20 दिनों से अधिक समय से जेल में रखा गया है।

11 करोड़ आबादी वैक्सीन की दूसरी डोज से दूर, केंद्रीय मंत्री राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों संग करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस से जारी जंग के बीच भारत में वैक्सीन के 100 करोड़ से ज्यादा डोज दिये जा चुके हैं। लेकिन अभी करोड़ों लोगों को वैक्सीन का दूसरा डोज नहीं दिया जा सका है। वैक्सीनेशन ड्राइव की धार को और तेज करने के लिए अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। बताया जा रहा है कि यह बैठक बुधवार को होगी। इस बैठक में इस बात पर चर्चा होगी कि कैसे वैक्सीनेशन ड्राइव को और तेज किया जाए और इस ड्राइव को चलाने में आ रही दिक्कतों का सामना कैसे किया जाए। साथ ही साथ वैक्सीनेशन लेने वाले सभी लोगों के डबल डोज को सुनिश्चित करने की रणनीति भी इस बैठक में बनाई जाएगी। बता दें कि देश में 76 फीसदी वयस्क आबादी ने वैक्सीन की कम से कम एक डोज ले ली है लेकिन अभी भी 32 फीसदी लोगों ने ही सिर्फ वैक्सीन के दोनों डोज लिये हैं।

खबर संक्षेप

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद का आयोजन आज

सहसों। सहसों विकास खण्ड की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आज सुबह आठ बजे से छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों परिसर में आयोजित है। प्रतियोगिता ब्लाक प्रमुख गीता सिंह की अध्यक्षता एवं खण्ड विकास अधिकारी दिव्या सिंह की देखरेख में होगा। क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी मधु सिंह ने बताया कि विकास खण्ड के अंतर्गत आने वाले गांव के खिलाड़ी आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में दौड़, वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती, भारोत्तोलक स्पर्धाएं होगी। उद्घाटन सुरेश कुमार त्रिपाठी विधान परिषद सदस्य तथा पुरस्कार वितरण फूलपुर के विधायक प्रवीण पटेल करेंगे।

कांग्रेस : प्रतिज्ञा यात्रा आज

सहसों। कांग्रेस पार्टी की कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक मंगलवार को बाबू गंज बाजार में हुई। बैठक कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रतिज्ञा यात्रा आज बुधवार सुबह 10 बजे फाफामऊ से आरम्भ होकर सोरांव के मल्हार चतुरी तक चलेगी। जिसमें फूलपुर के कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नेता शामिल होकर यात्रा को सफल बनाएंगे ।

जलालपुर अपना ढाबा हाईवे पर अज्ञात वाहन के टक्कर से दो युवक की मौत

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल करती।

अखंड भारत संदेश

उतरांव। जनपद प्रयागराज उतरांव क्षेत्र के जलालपुर अपना ढाबा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बनारस की तरफ से प्रयागराज जा रहे बाइक सवार दो युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वही सुबह आ जा रहे ग्रामीणो ने देखा तो उतराव पुलिस को सूचना दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार सुबह उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर हाइवे अपना ढाबा के पास दुर्घटना में दो युवक की मौत हुई थी।अपाची बाइक से कुछ दूर पड़े लाशों को देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के जेब से आधार कार्ड और पैन कार्ड निकाल कर पहचान की। पुलिस ने बताया कि मृतक उम्मीद कुमार सराय ताकि जमालपुर बड़ागांव वाराणसी व अजय कुमार विश्वकर्मा पुत्र हंसराज विश्वकर्मा पश्चिम पट्टी वाराणसी के हैं। दोनों मृतक युवक पल्सर गाड़ी से वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रहे थे। किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं अपाची गाड़ी पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई।पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देते हुए शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि घटना लगभग तड़के सुबह की है। मृतक दोनों युवक के पास से चार पहिया वाहन के नंबर प्लेट भी मिले हैं।जिससे यह पता चलता है कि दोनों बाइक सवार वाहन से संबंधित किसी शोरूम व एजेंसी में कार्यरत हैं।

खड़ी ट्रक में पीछे से भिड़ी तेज रफ्तार ट्रक चालक खलासी गंभीर

कटर से काटकर पुलिस ने घंटों के बाद चालक व खलासी को बाहर निकाला

उतरांव। उतराव के सौरा हाईवे पर एक खड़ी ट्रक को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रक का आगे का हिस्सा चिपक गया। जिससे चालक खलासी अंदर फंस गए। पुलिस ने गैस कटर से काटकर घंटों बाद चालक व खलासी को बाहर निकाला। सवरा हाईवे अनमोल ढाबा के पास सोमवार देर शाम एक ट्रक चालक ट्रक खड़ी करके चाय पी रहा था। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भयानक था कि ट्रक का आगे का हिस्सा चिपक गया। वहीं तेज आवाज सुन स्थानीय लोगों की कभीड़ जुट गई। सूचना पर थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद जब चालक व खलासी नहीं निकल सके तो पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए गैस कटर से लोहे को काट काट कर चालक के फंसे पैर को बाहर निकाला। दुर्घटना में चालक व खलासी का पैर फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।जहां हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। दुर्घटना में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पुलिस की हिम्मत देख कर स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की। पुलिस देर न करते हुए चालक व खलासी की जान बचाई गई। कहावत है कि,जाको, राखो, साईयां मार सको न कोय।

गोवंश से लदा ट्रक व गोवंश को पकड़ने वाली पुलिस टीम।

26 गोवंश व ट्रक को पुलिस ने लिया हिरासत में

अखंड भारत संदेश

सहसों। बध के लिए ले जाए जा रहे गोवंश को सहसों पुलिस ने 26 गोवंश सहित ट्रक को अपने हिरासत में लिया। चालक समेत गोवंश तस्कर ट्रक छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत नेशनल हाईवे पर बगई खुर्द गांव के सामने मंगलवार की भोर में चौकी प्रभारी भीष्म नारायण सिंह मय हमराहियों के साथ गश्त पर थे। कि उसी बीच एक संदिग्ध ट्रक वाराणसी लेन पर आता हुआ दिखाई दिया। जिसे रोकने की कोशिश की तो ट्रक ड्राइवर गोवंश लदी ट्रक लेकर भागने लगा। पीछा करने पर ट्रक ड्राइवर ने पुलिस के वाहन पर जान से मारने की नीयत से पुलिस वाहन में जोरदार टक्कर मारने की कोशिश करने लगा जिससे उस पर बैठे पुलिस के जवान गाड़ी में से कूद कर अपनी जान बचाई। इसके बावजूद तस्करों ने पुलिस वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस वाहन हाईवे के बीच बने डिवाइडर पर जाकर टिक गई। पुलिस के जवान बाल-बाल बच गए। तस्करों ने आगे जाकर नेशनल हाईवे पर ट्रक खड़ी कर फरार हो गए। चौकी प्रभारी भीष्म नारायण सिंह ट्रक को अपने कब्जे में लेकर सहसों चौकी ले आए। जांच पड़ताल करने पर पता चला ट्रक का नंबर भी फर्जी है। ट्रक पर लदे 26 मवेशी में से 10 की मौत हो चुकी थी। सभी मवेशी को थरवई थाना क्षेत्र के बसमहुआ गोवंश आश्रय स्थल पर सुपुर्द कर दिया गया। जहां पर चिकित्सकों की टीम ने मवेशियों के इलाज में लगी हुई है। वहीं पर मृत गोवंश की भी चिकित्सीय परीक्षण किया जा रहा है।

खंड स्तरीय ग्रामीण खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित

अखंड भारत संदेश

जसरा। ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में खंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों की संख्या में खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। मंगलवार को आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में 100 मीटर बालिका वर्ग दौड़ में रागिनी साहू प्रथम, ज्योति द्वितीय, 200 मीटर बालिका वर्ग में आकांक्षा प्रथम, रागिनी द्वितीय स्थान, 200 मीटर बालक वर्ग में विजय कुमार प्रथम ,मोनू यादव द्वितीय, 400 मीटर बालिका वर्ग में आकांक्षा प्रथम , ज्योति दूसरा स्थान , 400 मीटर बालक वर्ग में अंकुश पाल प्रथम, अंकित कुमार गौड़ द्वितीय ,800 मीटर में अंकित यादव प्रथम, चंद्रकांत मालवीय द्वितीय, 800 मीटर बालिका वर्ग में आकांक्षा पटेल प्रथम, मंजुला प्रजापति द्वितीय ,1500 मीटर बालिका वर्ग में अमीषा पटेल प्रथम ,आकांक्षा पटेल द्वितीय , 1500 मीटर दौड़ बालक वर्ग में सुनील पाल प्रथम, अंकित यादव द्वितीय , 3000 मीटर बालिका वर्ग में अमीषा पटेल प्रथम ,आकांक्षा पटेल द्वितीय, 3000 मीटर बालक वर्ग में शैलेश कुशवाहा प्रथम , रीसू पाल द्वितीय, लंबी कूद बालक वर्ग में विनय कुमार प्रथम, व्यास मुनि त्रिपाठी द्वितीय ,डिस्कस थ्रो बालिका वर्ग में मोनिका पटेल प्रथम, अमीषा पटेल द्वितीय ,डिस्कस थ्रो बालक वर्ग में गणेश शुक्ला प्रथम ,विजय चंद्र द्वितीय ,गोला फेंक बालिका वर्ग में मोनिका प्रथम ,अमीषा द्वितीय गोला फेक बालक वर्ग में विजय चंद्र प्रथम ,शिवम् द्वितीय वही कबड्डी प्रतियोगिता में सुजौना की टीम ने बैजला की टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 100 मीटर बालक वर्ग में विनय द्विवेदी प्रथम जबकि व्यास मुनि त्रिपाठी द्वितीय स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख जसरा अजीत सिंह ने पुरस्कार वितरित किया। कार्यक्रम के संयोजक क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी देवांशिका सिंह ने बताया कि ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के बाद अच्छे खिलाड़ियों को जिला व प्रदेश स्तर पर खेलकूद में भाग लेने का अवसर मिलेगा । इस अवसर पर खंड शिक्षाधिकारी अखिलेश वर्मा, जिला युवा कल्याण अधिकारी वीनेश कुमार ,शारीरिक शिक्षा अध्यापक रेखा रानी , जितेंद्र कुमार गौड़ के साथ खेलकूद में सहयोग देने वालों में कृष्ण कुमार कुशवाहा ,कृष्ण मुरारी तिवारी आदि लोग रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा के प्रधानाचार्य डॉ० योगेंद्र सिंह ने फीता काटकर किया।

युवाओं को 20-25 प्रतिशत राजनैतिक भागीदारी की बात रखूगां शीर्ष नेतृत्व के समक्ष : डॉ. वीके सिंह

अखंड भारत संदेश

जारी। उन आँखों का हँसना भी क्या,जिन आँखों में पानी न हो,वो जवानी, जवानी नहीं जिसकी कोई कहानी न हो यह क्रांति फिल्म का गाना आपको युवाओं को कुछ अपने लिए, समाज के लिए अपने कार्यो से अपने को नेता सावित करने के लिए कर गुजरने का वक्त है। हम सब भारत को परम वैभव तक पहुचानें मे अपना योगदान देकर अपने कार्यो से अपना इतिहास लिखने का अवसर है। आपने पूर्व की सरकारो को देखा है,भ्रष्टाचार अत्याचार के खबरो से अखबार और टीवी सुर्खियों मे रहता था। अब 2022 मे पुनःराष्ट्रवादी सरकार बनाने का कार्य युवाओ को करना है। उक्त बाते भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष व यमुनापार जिला प्रभारी राजेश राजभर ने यमुनापार जिला कार्यसमिति मे कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए मंगलवार को विमला गेस्ट हाऊस जारी मे कही साथ ही वृत्त लेकर आगामी योजनाओ को बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने मंडल सह कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सदैव अपने कार्यो के कारण जाने जाते है।अब आपको शीर्षनेतृत्व द्धारा सौपे कार्यो से अपने

स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

को सिध्द कर युवाओ को जोड़ना होगा। विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी ने कहा अपराध मुक्त प्रदेश देने के लिए योगी बधाई के पात्र है। भाजपा पं.दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. अटलबिहारी के सपनो का भारत मोदी-योगी बना रहे है।भारत जमीन का टुकडा नही,जीता-जागता राष्ट्रपुरूष है,इसका कंकर-कंकर शंकर है इसका बिन्दू-बिन्दू गंगाजल है,हम जिऐगें तो देश के लिए,मरूंगा दो देश के लिए ऐसा आप सभी युवाओं को संकल्प लेना पड़ेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह ने कहा 2022 में 20-25% युवाओं को राजनैतिक भागीदारी देकर आर्थिक सहयोग करना है। इसके लिए मै शीर्ष नेतृत्व के समक्ष बात रखूंगा। विधायक बारा डॉ. अजय कुमार ने युवाओ के

राज्य मंत्री नें जन शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने पर दिया बल

कार्य और जज्बा को सलाम करते हुए कहा आप युवाओ को सामाजिक-राजनैतिक जीवन मे बहुत कुछ करने का वक्त है। शहर उत्तरी विधायक हर्ष वर्धन वाजपेई ने कहा यमुनापार के युवाओं मे वह शक्ति है कि चारो विधान सभाओ के साथ शहर मे भी कमल खिलाने का कार्य करेगें। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधाकर पांडेय ने सभी अतिथियो को बुके अंगवस्त्र समृति चिंह भेंटकर स्वागत करते हुए आभार जताया। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष समीर मिश्रा,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, प्रोटोकाल मंत्री सुरेश शुक्ल,भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवप्रसाद केसरवानी, महामंत्री जयव्रत सिंह,अशोक पांडेय, राज कुमार मिश्र,शिवा पांडेय,प्रीतम पांडेय,रामप्रकाश तिवारी, राहुल मिश्रा,महेंद्र पटेल,रवि निषाद, कृपा शंकर बिंद, सौरभ सिंह, सचिन श्रीवास्तव,आशीष श्रीनेत,पूजा बिंद, रवि यादव, शुभम पांडेय,आनंद बरौलिया, सत्यम मिश्रा, नरेश सोनकर, रोहित केसरवानी,सुशील तिवारी, रोचक मिश्रा, संदीप बबलू केशरवानी , राजाराम कौशल गहरवार, सूरज सत्य आदि कार्यकर्ता रहे।

किसान पंचायत को सफल बनाने के लिए किया जनसंपर्क

अखंड भारत संदेश

आजादी के बाद से अब तक नहीं मिला किसानों का अधिकार : राजू चौबे

कोरांव। खेतो की सिंचाई सम्पूर्ण धान की खरीद 6444 जैसी सफेद धानो की खरीद अघोषित विद्युत कटौती समेत अन्य मांगों को लेकर 27अक्टूबर दिन बुधवार को भारतीय किसान यूनियन भानू के द्वारा बुलाए गए किसान पंचायत को सफल बनाने के लिए भाकियू भानू के जिलाध्यक्ष और किसान नेता राजू चौबे के नेतृत्व में बघोल बहरैचा लेडियारी रत्यौरा समेत अन्य गांवों का जनसंपर्क किया गया और कृषि के क्षेत्र से जुड़े लोगो से किसान पंचायत कार्यक्रम में पहुंचने की अपील किया गया। इस मौके पर किसान नेता राजू चौबे ने कहा की देश की आजादी के बाद से अब तक किसान अपने अधिकार से वंचित रहा है जब जब किसानों ने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाया है तब तब मौजूदा सरकारों ने दमनकारी नीतियों से किसानों के आंदोलन को तोड़ने का काम किया है लेकिन अब देश का किसान जाग गया है और वह किसानों की हितैषी भारतीय किसान यूनियन भानू के नेतृत्व में अपनी लड़ाई जारी रखेगा जब तक की सरकार किसान आयोग समेत किसानों की सभी मांगों को मान नही लेती है। इसी क्रम में चर्चित किसान नेता राजेश पांडे ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए शासन और प्रशासन के लोगो को आगाह किया यदि धान क्रय केंद्रों पर पारदर्शिता नहीं बरती गई और किसानों को सत्यापन आधार कार्ड संशोधन एवम किसानों के उपज में खामियां निकाल कर परेशान करने का कार्य न करे अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों को बंधक बनाने का कार्य किया जायेगा। इस मौके पर मुख्य रूप से पिंटू चौबे युवा जिलाध्यक्ष भाकियू भानू सर्वेश पांडे कामता प्रसाद यादव पूर्व प्रधान शंकर दयाल तिवारी संतोष भूर्तिया बंशीधर भूर्तिया देवमुनि चौबे प्रधान पुष्पराज भूर्तिया बुद्धि भास्कर आदि लोग उपस्थित रहें।

श्रमिकों का शोषण : पंजीकृत श्रमिक मजदूरी प्रमाण के लिए परेशान

योजना के लाभ से किए जा रहे वंचित,सुविधा सुल्क न दिए जाने पर कर दे रहे अपात्र, गरीबी नहीं अमीरों को दिए गए ज्यादातर लाभ

अखंड भारत संदेश

कोरांव। श्रम विभाग प्रयागराज में इन दिनों कुछ पुराने फेसिसलेटर को छोड़ कुछ श्रम इंस्पेक्टरों ने गांव गांव घर घर अपने दलाल नियुक्त कर दिए हैं। जिससे वर्चस्व को ले कर नए नए कार्यकर्ता दलाल एक दूसरे के विरोध में तरह तरह की शिकवा शिकायतें कर के अपने चहेते दलालों को सेटिंग सिस्टम के तहत न आने पर योजना के आवेदनों को श्रमिक न होने का रिपोर्ट लगा लगा कर तथा मनमाने ढंग से फेंक डाकुमेंट दर्शा कर निरस्त कर रहे हैं। बल्कि अपात्रों को सुविधा शुल्क ले ले कर अपने चहेते दलालों के आवेदन फार्म स्वीकृत कर रहे हैं ऐसा आरोप है। उल्लेखनीय है कि निर्माण श्रमिक महिला पुरुष युवा वृद्ध चालीस कटेग्री के हैं। कुछ तो मनरेगा श्रमिक हैं,और कुछ तो विभिन्न निर्माण कार्य स्थलों पर एक एक दो दो दिन या सप्ताह भर तक मजदूरी करके अपनी जीविका चलाते हैं। जिसका कोई कार्य प्रमाण पत्र नहीं होता। न ही कोई लिखित देता है। जब कि वास्तविक श्रमिक होते हैं। दरअसल श्रम विभाग ने उक्त समस्याओं को देखते हुए श्रमिक पंजीकरण के लिए श्रमिकों के हितार्थ स्व घोषणा पत्र पर ही श्रमिक पंजीयन कर पहचान पत्र निर्गत कर रहा है। और नवीनी करण भी। किंतु जब पुत्री विवाह अनुदान योजना अथवा मातृत्व शिशु हित लाभ आदि योजनाओं के लिए श्रमिकों द्वारा आवेदन किया जाता है तो पुनः कार्य या मजदूरी करने का प्रमाण पत्र मांगा जाता है, न दिए जाने पर योजना के आवेदन निरस्त कर दिए जा रहे हैं,जो गरीब श्रमिकों का शोषण हैं। प्रश्न ये है कि श्रमिक कार्ड बनवाने के लिए स्व घोषणा पत्र ही कार्य का प्रमाण पत्र पर्याप्त, तो योजना के लाभ हेतु क्यों दूसरा मानक मान कर लाभ से अपात्र दिखा कर वंचित किया जा रहा। श्रम विभाग में दो दो साल से श्रमिकों द्वारा प्रस्तुत योजनाओं के फार्म अभी तक जांच नहीं कर पाए। लाभ तो दिया जाना दूर की बात। उप श्रमायुक्त प्रयागराज मंडल ने खास तौर से कोरांव विधान सभा में श्रमिक दलित बहुल्य इलाके में बहुतायत में योजनाओं के आवेदन फार्म लॉक डाउन से पूर्व एवं अब तक ऑनलाइन होने के कारण तथा भरी संख्या में श्रम कार्यालय में जमा किए जाने के वजह पेंडिंग पड़ा रहा। इसी बीच ट्रांसफर सीजन आ गया। पेंडिंसी निपटाने के लिए आयुक्त ने चार चार श्रम इंस्पेक्टर को लगा दिया। चर्चा है कि पूर्व में कोरांव में तैनात रहे कुछ श्रम इंस्पेक्टर ने अपने चहेतों के आवेदन आंख मूंद कर स्वीकृत किए और चहेतों के विपक्षियों को अथवा अपने सिस्टम में न फंसने वालों को सबक सिखाने के लिए आवेदन फार्मों को ज्यादातर श्रमिक नहीं ,फेंक आइडी आदि कारण दर्शा कर निरस्त कर दिए जिससे गरीब श्रमिकों का शोषण हुआ।साथ ही जांच के समय श्रमिकों से किसी पेपर्स की कमी आदि की सूचना न दे कर सीधे निरस्त कर दिया गया जो घोर अन्याय है। इस विभाग में श्रम अधिकारी ऐसे भी हैं जो अपने अधिकारियों को ही ब्लैक मेल कर रहे हैं। अपना लोहा मनवाने के लिए अपने स्वार्थी चहेते दला लो से आर टी आई 2005 के तहत सूचनाएं मंगवाई है। और कुछ के खिलाफ शिकायतें करवाई हैं। श्रम इंस्पेक्टर लोग इस समय लोकल राजनीति करने लगे हैं। और आवेदन डलवाने वालों को जांच दौरान अपशब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना घट सकती है।

राजमणि कोल, भाजपा विधायक कोरांव

बोले भाजपा विधायक - पंजीकृत श्रमिकों का योजनाओं का आवेदन जांच दौरान यह कह कर निरस्त कर दिया जाना कि श्रमिक नहीं है,ऐसे लेबर इंस्पेक्टरों के खिलाफ जांच कार्यवाही कराएंगे। यह भी शिकायत मिली है कि कुछ श्रम इंस्पेक्टर सुविधा सुल्क न पाने पर आवेदन मनमाने ढंग से निरस्त कर दे रहे हैं,उक्त निरस्त आवेदनों की दुबारा जांच कराऊंगा और दोषी अधिकारियों को दंडित कराऊंगा। क्योंकि श्रमिकों का शोषण और उनको मनमाने ढंग से बिना किसी सूचना के निरस्त कर लाभ से वंचित किया जाना गलत है। इस विषय में हम उप श्रमायुक्त से वार्ता किया है।

मुकेश कुमार कोल ब्लॉक प्रमुख कोरांव

यदि श्रम विभाग के पंजीकरण कार्ड बनाने में मजदूरी कार्य का प्रमाण पत्र नहीं होने की दशा में कार्य करने का स्व घोषणा पत्र से ही श्रमिक पहचान पत्र बन सकता है तो योजनाओं के आवेदन करते समय मजदूरी करने का प्रमाण पत्र मागा जाना कोई मायने नहीं रखना चाहिए। मैं समझता हूं कि हर श्रमिक मनरेगा जॉब कार्ड धारक नहीं होता,और न ही अलग अलग स्थानों पर,छुट्टा मजदूरी करने वाले श्रमिक कोई प्रमाण पत्र किसी से प्राप्त कर पाएंगे। गरीब श्रमिक के आवेदन खास तौर से दलित आदि के श्रमिक परिवार ही हैं। उनके आवेदन योजनाओं के निरस्त नहीं होने चाहिए। यदि श्रम अधिकारी ऐसा करते हैं तो वो गरीब श्रमिक विरोधी हैं। और सर्व प्रथम तब उनके बिना प्रमाण के कार्ड ही क्यों बनाए जा रहे। जांच कार्यवाही कराई जाएगी।

न्यूज झरोखा

कोविड टीकाकरण केन्द्रों का सीडीओ ने किया निरीक्षण

फूलपुर सीएचसी व गगौर सहित अन्य गांवों में पहुंचे सीडीओ

फूलपुर। कोरोना महामारी से निजात दिलाने के लिए सरकार द्वारा सीएचसी व पीएचसी के साथ ही गांवों में लगे निःशुल्क टीकाकरण केन्द्रों का मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी सीपू गिरी ने निरीक्षण कर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फूलपुर विकास खंड के गगौर गांव के प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर उन्होंने टीकाकरण में हो रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली तथा अभियान में लगे स्वास्थ्य कर्मचारियों सहित अन्य कर्मचारियों की सराहना किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी फूलपुर कविता तिवारी,सहायक विकास अधिकारी फूलपुर गुलाब चंद्र पाण्डेय,सी एच सी प्रभारी फूलपुर सुनील कुमार पांडेय,धर्मेंद्र कुमार गुप्ता,सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

घूरपुर रेलेव फाटक के पास ट्रक हुआ खराब घंटो जाम

घूरपुर। घूरपुर स्थित रेलवे फाटक नजदीक एक ट्रक खराब होने से घूरपुर प्रतापपुर मार्ग पर मंगलवार की सुबह बुरी तरह से जाम लग गया । जाम के चलते घंटो राहगीरों को फजीहत का सामना करना पड़ा । सूचना पर पुलिस पहुंची तो जाम खुला। घूरपुर कस्बे से निकलने वाले प्रतापपुर मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक के समीप मंगलवार की सुबह एक ट्रक खराब हो गया । ट्रक खराब होने से वाहनों को निकलने में दिक्कत होने लगी । इस बीच घूरपुर के रेलवे फाटक से लेकर घूरपुर चौराहे तक बुरी तरह से वाहनों की लंबी कतार लग गई । इसी तरह भीटा की ओर भी लगभग एक किलोमीटर की दूरी तक वाहन बेतरतीब तरीके से खड़े हो गए । जिससे दोनो ओर से भयंकर जाम लग गया। इधर कई ट्रेनों के गुजर जाने के बाद जब रेलवे फाटक खुला तो जल्दी निकलने की होड़ में जाम की स्थिति और बुरी हो गई ।सूचना स्थानीय पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस ने मसक्कत कर-के जाम खुलवाया। तब जाकर जाम छूटा ।और आवागमन शुरू हो पाया ।

भाजाईयों ने राज्य मंत्री गंगवार का किया स्वागत

घूरपुर। भाजपाईयों ने राज्यमंत्री गंगवार का स्वागत कर कई मामलों को लेकर विचार विमर्श किया। प्रयागराज मे राज्य मंत्री बनने के बाद प्रथम बार आए राजस्व विभाग के राज्य मंत्री छत्रपाल सिंह गंगवार का भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा यमुनापार के जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने अपने दर्जनों पदाधिकारियों के साथ माला पहना और बुके देकर स्वागत किया। और जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने यमुनापार की विकास और मोर्चा सहित आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर विचार विमर्श किया। राज्य मंत्री ने जिला अध्यक्ष के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। पिछड़ा मोर्चा यमुनापार के जिला उपाध्यक्ष धर्मराज पाल, सूर्य प्रताप सिंह,महामंत्री डॉ सूर्या यादव, आशीष पाल, संजय पाल, इ मयंक कुमार गुप्ता, अखिलेश सिंह पटेल, रत्नाकर सिंह पटेल, शिवम सिंह आदि दर्जनो भाजपा पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

सुनो सरकार जनता की पुकार, सड़कों का करो जीर्णोद्धार

जंघई। प्रतापपुर क्षेत्र की दर्जनों सड़कें इन दिनो जीर्ण शीर्ण हो गई है ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों के बार बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद जनप्रतिनिधि या विभागीय अधिकारी, लोकनिर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण, मंडी समिति विभाग से पूर्व मंत्री श्याम सूरत उपाध्याय द्वारा बनवाई गई विभिन्न सड़कों की मरम्मत हेतु वर्षो से कोई ध्यान नही दे रहा है।जिसके कारण सड़क पर आवागमन करने वाले आम नागरिकों छात्रों वकीलों व्यापारीकरण एवं अन्य मुसाफिरों मे आक्रोश है क्योंकि ग्रामीणों की सुनने वाला कोई नजर नही आ रहा है।रधईपुर महरछा से पयागपुर कुंदौरा धाम जाने वाली सड़क एवं क्षेत्र की अन्य जर्जर हो चुकी सड़कों मे अनुवां-चनेथू महरछा, चंपापुर-हरीपुरपट्टी जलालपुर, अनुवां-राचनपुर, चंपापुर-बघेड़ी सरजूपट्टी, महरछा-जंघई-पयागपुर आदि सड़कें पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो चुकी है लेकिन इनका नवीनीकरण या मरम्मत न होने से सभी आक्रोशित है।मिनटों का सफर घंटों मे तय करना पड़ रहा है। इन सड़को पर रात दिन आवागमन होने के बावजूद करीब बीस वर्षो से इनकी मरम्मत नही हुई है। अनुवां चनेथू मार्ग पर मरम्मत का कार्य जिला पंचायत से शुरू हुआ भी तो आधी बनाकर छोड़ दिया गया।प्रतिदिन दुर्घटनायें होती रहती है दो जिलों को जोड़ने वाली सड़को की भी मरम्मत नही हो रही है।जिससे क्षेत्रवासी आक्रोशित व निराश है कि किससे गुहार लगाए कोई सुनने वाला नही।

भगवान राम की लीला जीवन से परिलक्षित करने से सीख मिलती हैं : डॉ विजय यादव

करछना। क्षेत्र के न्याय पंचायत डीहा के रवनिका गांव में श्री गोपाल कृष्ण रामलीला कमेटी का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य डाक्टर विजय बाबू यादव ने किया। इस दौरान उन्होंने इस दौरान रामलीला मंचन के कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रामलीला का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है इससे हमें भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में परिलक्षित करने का सीख मिलती है ।इस दौरान डॉ अमित सिंह ,अशोक कुमार पाल ,मान सिंह यादव , रमेश कुमार यादव ,डॉ भानु प्रताप यादव ,समरजीत मौर्य ,शिव प्रकाश मौर्य, लक्ष्मी नारायण निषाद, श्यामलाल ,सोमनाथ सहित रामलीला कमेटी के कलाकार एवं सहयोगी दर्जनों लोग उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

दो भाईयों के बीच झगड़े को मुंशी ने पंद्रह सौ रुपए लेकर जबरन कराया समझौता

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना में फरियादियों को न्याय मिलना अब असंभव हो गया है। न्याय दिलाने के बजाए विपक्ष से मिलकर रुपए लेकर पुलिस द्वारा जबरन समझौता करा दिया जाता है जिससे अधिकतर फरियादियों को इस थाने से निष्पक्ष न्याय नहीं मिल पाता। दो भाईयों के बीच हुए झगड़े को थानाध्यक्ष की गैर मौजूदगी में पूरामुफ्ती थाने का मुंशी विपक्ष से मिलकर पंद्रह सौ रुपए लेकर पीड़ित पक्ष को पुलिसिया रौब दिखा कर दोनों पक्ष के बीच जबरन समझौता कराकर घर भेज दिया जबकि अभी भी दोनो पक्ष के बीच झगड़े की आशंका बनी हुई है। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के गोहमलवा गांव निवासी दो भाईयों के बीच हुए आपसी विवाद को लेकर पीड़ित पक्ष ने डायल 112 को फोन लगाकर आपात सहायता की मांग की जिससे चंद मिनटों में डायल 112 के सिपाहियों ने पहुंच कर दोनो पक्ष को पूरामुफ्ती थाना लाए और वहीं छोड़कर चले गए। कानूनी कार्यवाही करने के बजाए थानाध्यक्ष की गैर मौजूदगी में थाने में मौजूद मुंशी ने विपक्ष से मिलकर पंद्रह सौ रुपए ले लिया और पीड़ित पक्ष के ऊपर दबाव बनाना शुरू कर दिया और दोनों लोगों का सादे पन्ने पर दस्तकत करवा कर घर भेज दिया।

ई.वी.एम. वेअर हाउस का डीएम ने किया निरीक्षण

डीएम ने ई0वी0एम0 निदेशक एस. सुन्दर राजन के साथ नवीन मुण्डेरा मण्डी स्थित ईवीएम वेयर हाउस को देखा

अखंड भारत संदेश

ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण करते जिलाधिकारी व ईवीएम निदेशक।

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने मंगलवार को ई0वी0एम0 निदेशक एस0 सुन्दर राजन के साथ नवीन मुण्डेरा मण्डी स्थित ई0वी0एम0 वेअर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ई0वी0एम0 पर सम्पादित हो रही एफ0एल0सी0 का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एफ0एल0सी0 की कितनी मशीने ठीक है। मशीनों का कितना स्टॉक है तथा कितनी मशीनें रिजेक्ट है, का विवरण लिया तथा उन्होंने स्टॉक रजिस्टर एवं एस0ओ0पी0 के प्रदर्शन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोई असमान्य नहीं पायी गयी। निर्वाचन आयोग के मानक के अनुरूप पायी गयी। कम्प्यूटर पर हो रहे ई0वी0एम0 साफ्टवेयर पर की जा रही कार्यवाही को भी देखा। निरीक्षण के दौरान ए0डी0एम0 प्रशासन एवं निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बढ़ेगी इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुरक्षा, स्मार्ट कार्ड से मिलेगा प्रवेश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुरक्षा हाईटेक होने वाली है। अब कोई बाहरी व्यक्ति हाईकोर्ट परिसर में प्रवेश नहीं कर पाएगा। स्मार्ट कार्ड धारकों को ही प्रवेश मिलेगा। हाईकोर्ट सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी वाली हैदराबाद की एक कंपनी ने यह प्रस्ताव बनाया है। मंगलवार को एडीजी सुरक्षा बीके सिंह ने कंपनी और सुरक्षा कमेटी के सदस्यों के साथ पुलिस लाइन में बैठक की। हाईकोर्ट सुरक्षा के मद्देनजर सर्विलांस सिस्टम और मजबूत किया जा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की एक कंपनी को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन कुछ समय पहले हाईकोर्ट ने एक प्रकरण पर शासन को जमकर फटकार लगाई थी। इसी क्रम में सुरक्षा की जिम्मेदारी जिस कंपनी को दी गई थी, उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया। हैदराबाद की एक कंपनी को हाईकोर्ट के सुरक्षा इंतजाम की जिम्मेदारी दी गई है। यह कंपनी हाईकोर्ट के अंदर और बाहर सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने के लिए सर्वे करा रही है। मंगलवार को हाईकोर्ट सुरक्षा कमेटी के अध्यक्ष एडीजी सुरक्षा बीके सिंह ने आईजी, डीआईजी, एसपी हाइकोर्ट, एसपी सिटी, सीएफओ, सीआरपीएफ और कंपनी से जुड़े अफसरों के साथ पुलिस लाइन में बैठक की। इस दौरान हाईकोर्ट की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को लेकर चर्चा की गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट की दीवार की मजबूती, चारों तरफ लगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा में लगी फोर्स, पार्किंग की स्थिति, वहां सुरक्षा की स्थिति आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। बताया जा रहा है कि कंपनी अत्याधुनिक उपकरणों के आधार पर सुरक्षा की रूपरेखा तैयार कर रही है। कंपनी की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर के अंदर प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों को स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। सिर्फ कार्डधारक ही हाईकोर्ट में प्रवेश कर सकेंगे। इसके अलावा मॉडर्न कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। जहां से 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे से हर जगह निगरानी की जाएगी। हाईकोर्ट में प्रवेश करने वाला हर व्यक्ति कैमरे की जद में रहेगा। उसकी हर डिटेल सुरक्षाकर्मियों के पास रहेगी। स्कैनर और अन्य उपकरणों के साथ सर्विलांस सिस्टम और मजबूत किया जा रहा है।

राज्यमंत्री राजस्व विभाग ने विभागीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

मंत्री जी ने सम्बंधित अधिकारियों को राजस्व वसूली सहित अन्य राजस्व से सम्बंधित कार्यों में तेजी लाये जाने के दिए निर्देश, तहसील सदर, करछना एवं सोरांव का भी किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रयागराज। राज्यमंत्री, राजस्व विभाग, उ0प्र0 छत्रपाल सिंह गंगवार ने मंगलवार को सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री जी ने राजस्व से सम्बंधित अधिकारियों को राजस्व वसूली सहित राजस्व से सम्बंधित अन्य कार्यों में तेजी लाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने राजस्व वसूली से सम्बंधित विषयों की समीक्षा करते हुए बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कर उनसे राजस्व की वसूली की कार्यवाही करने के लिए कहा है। मंत्री जी ने कहा कि ग्राम समाज की जमीनों, तलाबों पर अवैध कब्जे की शिकायत आने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कब्जा की हुई जमीन को मुक्त कराया जाये। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता क्षम्य नहीं की जायेगी। उन्होंने गांवों के जमीन से जुड़े विवादों को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारित कराये जाने के लिए कहा है। गांवों की खाली पड़ी जमीनों, तालाबों के किनारें की भूमि आदि पर वन विभाग से समन्वय बनाकर वृक्षारोपण का कार्य करायें साथ ही पौधों की देखभाल करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे ग्राम सभाओं की आय बढ़ाने के संदर्भ में कार्य करने का प्रयास करें। मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि काफी समय से लम्बित पड़ें वादों का जल्द से जल्द निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को समय से तहसीलों में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए कहा है।

निरीक्षण के दौरान राजस्व मंत्री।

इसके उपरांत सदर तहसील का निरीक्षण करते हुए पटल पर रखी फाइलों को देखा। तथा लम्बित प्रकरणों को समय से निस्तारित करने तथा जो आवेदन आते है, उसे गम्भीरता से लें। उन्होंने तहसील सदर में कुछ आवेदन पत्रों को भी देखा तथा जांच कर निस्तारित करने के निर्देश भी दिये है। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि आवेदन पत्रों का निस्तारण समय से कराया जाये, बेवजह आवेदन पत्रों को लम्बित न रखा जाये। सदर तहसील के निरीक्षण के उपरांत मंत्री जी ने तहसील करछना पहुंचकर वहां पर तहसील का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर अभलेखागार सहित अन्य पटलों का निरीक्षण किया तथा वहां अभिलेखों को भी देखा। मंत्री जी ने लोगो के द्वारा दिए गए शिकायती आवेदन पत्रों को देखा तथा सम्बंधित को आवेदन पत्रों को गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने का निर्देश दिया है। तत्पश्चात मंत्री जी ने लेखपालों से संवाद भी किया। इसी तरह से मंत्री जी ने तहसील सोरांव का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी, सम्बंधित उप जिलाधिकारी गण, तहसीलदार व अन्य राजस्व से सम्बंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत करछना सदन की बैठक 8 नवंबर को

करछना। विकास खंड में 8 नवंबर को आहूत ब्लाक प्रमुख करछना श्रीमती सरोज द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक में विकास कार्यों से संबंधित कई विभागों के अधिकारियों के समक्ष बैठक में जानकारी दी जाएगी जिससे गांव में विकास कार्य को लेकर कार्य में गति प्रदान की जा सके उक्त आशय की जानकारी खंड विकास अधिकारी करछना जितेंद्र कुमार ने बताया कि बैठक में प्राथमिक उच्च शिक्षा विभाग के कार्यक्रम का कायाकल्प पर विचार समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना पर चर्चा के अलावा स्वास्थ्य विभाग बाल विकास एवं पुष्टाहार योजना पर विचार विमर्श स्वच्छ भारत मिशन उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय आजीविका मिशन प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना ग्राम पंचायत विभाग योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना अंतर्गत एवं क्षेत्र पंचायत की 2021-22 की योजना पर पूरक कार्य योजना हेतु बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी जाएगी, बैठक में समस्त ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्यो को उक्त तिथि पर समय से उपस्थित होने की अपील की गई है।

पिता, मां की हत्या का आरोपी, बच्ची की कस्टडी दादा-दादी को देने से इनकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाना से बच्ची की कस्टडी की मांग करने वाली दादा-दादी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है। याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति डॉ. वाईके श्रीवास्तव ने कहा कि मामले के तथ्य यह संकेत नहीं देते हैं कि नाबालिग को उसके नाना के पास रखना किसी भी तरह से अवैध और अनुचित कस्टडी के समान है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बच्ची बचपन से ही अपने नाना के साथ रह रही है। वहीं एक तथ्य यह भी है कि कस्टडी का दावा करने वाला पिता बच्ची की मां की मौत से संबंधित एक आपराधिक मामले में आरोपी है और यह एक प्रासंगिक कारक है। अन्य तथ्य, जो महत्वपूर्ण हैं, उनमें बच्ची को एक सुखद घर में प्यार और अच्छी देखभाल,मार्गदर्शन, अच्छे व दयालु संबंध प्रदान करना है, जो बच्ची के व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक हैं। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि बच्ची का कल्याण सर्वोपरि विचार होगा न कि पक्षकारों द्वारा संरक्षकता से संबंधित किए गए प्रतिस्पर्धी अधिकार। दादा-दादी ने बच्ची की कस्टडी की मांग करते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी। वहीं बच्ची के पिता पर दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न और क्रूरता करने का आरोप लगाया गया है। उसके खिलाफ दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज कराई गई है। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि बच्ची की मां की अनुपस्थिति में, उसके पिता अभिभावक हैं। इस प्रकार यह तर्क दिया गया कि नाना के पास बच्ची की कस्टडी अवैध है। विपक्षियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने यह कहकर उक्त दावे का खंडन किया कि बच्ची उस समय से अपने नाना की कस्टडी में है, जब से उसकी मां को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया था। प्रताड़ना व क्रूरता के कारण उसकी मां की मृत्यु होने के बाद बच्ची अपने नाना की देखभालऔर कस्टडी में है। इसे किसी भी तरह से अवैध नहीं ठहराया जा सकता है। यह भी बताया गया कि दहेज हत्या की एफआईआर में दादा-दादी और पिता आरोपियों में शामिल हैं और वे आपराधिक मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

अवध में बजी बधाई, राम जी को जन्म भयो

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के आईटीआई कंपनी गेट, महुआरी के समीप श्री बाल रामलीला कमेटी ट्रस्ट के द्वारा श्री गुरु वंदना एवं देवाधिदेव भगवान शंकर की स्तुति से श्री रामलीला मंचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दृश्य में देवता गण, पृथ्वी, भगवान शंकर एवं परमपिता ब्रह्मा जी भगवान श्री हरि विष्णु को रावण के अत्याचारों से परिचित कराते हैं एवं उनसे उस अत्याचारी का विनाश कर धरती का भार हरण करने की अत्यंत भावपूर्ण प्रार्थना करते हैं। वह गाते हैं ---' जय जय सुरनायक जन सुखदायक प्रणत पाल भगवंता....... ' भगवान श्री हरि विष्णु उनकी प्रार्थना से द्रवीभूत हो जाते हैं और उन्हें शीघ्र ही प्रथ्वी पर अवतरित होकर रावण के अत्याचारों से धरती, संत, ऋषि- मुनि एवं देवताओं को मुक्त करने का वचन देते हैं। क्षीर- सागर के मनमोहक दृश्य को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। जबकि अगले दृश्य मे भगवान श्री राम का जन्म होता है। बधाइयां गाई जाती हैं। भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी- पांडाल 'जय श्री राम' के जयकारों से गूंज उठता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सत्येंद्र सिंह अध्यक्ष, अनिल सिंह वकील मंत्री, राघवेंद्र सिंह संरक्षक, सुरेन्द्र उपाध्यक्ष, तीर्थराज, कमलाकांत सिंह कोषाध्यक्ष, सर्वेश सिंह संगठन मंत्री समेत कई लोग मौजूद रहे।

जन शिकायतें तीन महीने के भीतर निस्तारित करायें अधिकारी : गंगवार

राजस्व राज्य मंत्री छत्र पाल सिंह गंगवार ने करछना संपूर्ण समाधान दिवस पर की शिरकत, कसें अधिकारियों के पेंच

अखंड भारत संदेश

राजस्व मंत्री संर्पण समाधान दिवस पर बात करते

करछना। मंगलवार को करछना तहसील संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पहुचे उत्तर प्रदेश के राजस्व राज्य मंत्री छत्रपाल सिंह गंगवार ने अधिकारियों के पेंच कसें, उन्होंने संपूण समाधान दिवस की लम्बित जन शिकायतों पर चिंता व्यक्त करते हुए समबन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी जनता की शिकायतों का निस्तारण में देरी पर आम जन मानस में सरकार के प्रति विश्वास कम होता जा रहा है , तथा जन शिकायतों को समय पर निस्तारण कर विश्वास पैदा करें ।उन्होंने तहसील प्रशासन को भी निर्देश दिया कि राजस्व से समबन्धित मामले कोर्ट में वर्षो से लम्बित चल रहें हैं उन्हे भी कोर्ट को समय-समय पर उसमें भी फैसलों के लिए तेजी जाने पर जोर दिया ।उस बीच दूर दराज से शिकायत लेकर आये फरियादियो को उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किए जाने केलिए अधिकारियों को गंभीरता पूर्वक त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया । इस बीच उन्होंने तहसील में राजस्व अभिलेखों के रख रखाव का भी जायजा लिया। इस अवसर पर एसडीएम करछना विनोद कुमार पाण्डेय , तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित सभी राजस्व विभाग के कर्मचारियों के अलावा पूर्व विधायक करछना दीपक पटेल, ईजी जगदीश सिंह यादव, रंगबली पटेल, ज्ञान सिंह पटेल, अरविंद कुमार सिंह, राम भवन द्विवेदी, अवनीश पटेल, रावेन्द्र पटेल उर्फ मोछा गुरू, बच्चा सिंह, रिंकू सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा के लोग मौजूद रहे।

विद्युत बकाएदारों की सूची में से नाम हटवाने का उपभोक्ताओं के पास है सुनहरा मौका : इन्द्रसेन

वीरकाजी गांव में उपभोक्ताओं को जानकारी देते जेई इन्द्रसेन यादव।

एकमुश्त समाधान योजना के तहत घरेलू, वाणिज्य एवं निजी नलकूप उपभोक्ताओं का सरचार्ज हुआ माफ

विद्युत जेई इन्द्रसेन यादव ने ग्रामीणों को दी योजना की विस्तृत जानकारी

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। विद्युत बिल में लगा सरचार्ज माफ करने व बिल संसोधन के साथ ही विधुत से सम्बन्धित अन्य समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु फूलपुर विकास खण्ड के वीरकाजी गांव में मंगलवार को विधुत विभाग द्वारा कैम्प लगाया गया। कैम्प में उपस्थित दर्जनों उपभोक्ताओं ने अपने बिल की अदायगी कर राहत की सांस ली। वीरकाजी गांव निवासी रामचंद्र पटेल,मो॰ फारूक सहित अन्य उपभोक्ताओं ने कैम्प में पहुंचकर अपना बकाया बिल जमा किया। विधुत बिल में छूट मिलने की खुशी उनके चेहरे पर छाई रही। विधुत जेई इन्द्रसेन यादव ने बताया कि 30 सितम्बर तक के घरेलू, वाणिज्य, एवं निजी नलकूप के उपभोक्ताओं के बिल में लगा सरचार्ज नियमानुसार माफ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना के तहत उपभोक्ताओं का विधुत से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है साथ ही राजस्व की लक्ष्य प्राप्ति हेतु बिल अदायगी भी एक अभियान के तहत करवाई जा रही है। उन्होंने विधुत बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की भी बात कही। इस मौके पर विधुत कर्मचारी राम मिलन, राजेश कुमार यादव,भुल्लुर पाल, शिवबाबू भारतीया सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता मौजूद रहे।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर की माताजी का निधन

जंघई। प्रतापपुर ब्लॉक के पूर्व प्रमुख बंशीधर पांडेय की माताजी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वर्तमान ग्राम प्रधान चनेथू आरती मुन्ना पांडेय की वयोवृद्ध दादी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया ।जिनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में किया गया इस अवसर पर सैकड़ों लोग मौजूद रहे एवं दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना किया।

नेहरू युवा केन्द्र ने देशभक्ति एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का किया आयोजन

अखंड भारत संदेश

भाषण प्रतियोगिता की थीम सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास

प्रयागराज ' जिला युवा अधिकारी, नेहरू युवा केन्द्र जागृति पाण्डेय ने बताया है कि नेहरू युवा केन्द्र संगठन गणतन्त्र दिवस-2022 समारोहों की श्रृंखला में ब्लाक स्तर पर प्रतिभाओं की खोज और उनके बीच में जपनद स्तर पर देशभक्ति एवं राष्ट्र निर्माण विषय(जिसकी थीम सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास) पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है जो 15 नवम्बर, 2021तक ब्लाक स्तर पर एवं 21 नवम्बर, 2021 से 15 दिसम्बर, 2021 के मध्य जिला स्तर पर आयोजित होगी। उक्त प्रतियोगिता में जनपद प्रयागराज के 01 अप्रैल 2021 को 18 वर्ष से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते है। ऐसे युवा जो पूर्व में वर्ष 2016-17,17-18 एवं 18-19,20-21 में भाषण प्रतियोगिता में भाग लिये है वे प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नही है। ब्लाक स्तर पर कोई पुरस्कार नही है, जिले स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया जायेगा। प्रथम स्थान के विजेता को प्रतियोगिता के अगले स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु आमंत्रित किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन की बेबसाइट देखें और पूरी तरह भरे हुए आवेदन पत्र को जमा करने एवं अन्य जानकारियों के लिए कार्यालय में सम्पर्क करे।

न्यूज झरोखा

अकाल बाधाओं से पीड़ित जनता के कल्याण के लिए एक मात्र साधन यज्ञ : रामानुजाचार्य स्वामी हरिप्रपपन्नाचार्य

धनूपुर। श्री रामानुजाचार्य स्वामी हरिप्रपपन्नाचार्य जी महाराज ने बताया कि इस घोर कलिकाल में दैहिक दैविक, भौतिक तापों से संतप्त अकाल बाधाओं से व्यथित व्याधियों से पीड़ित जनता के कल्याण के लिए एक मात्र साधन यज्ञ ही है प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी परमपूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी रघुनाथाचार्य महाराज की प्रेरणा से 19 वां श्रीमद् सहस्त्र चण्डी महायज्ञ का आयोजन राजराजेश्वरी आदि शक्ति पीठ चक्रसुदर्शनपुरी धनूपुर प्रयागराज प्रांगण में हो रहा है।महाराज ने बताया कि श्री दिव्य सहस्त्र चंडी महायज्ञ में परिक्रमा देने के लिए भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी है।भक्तगण परिक्रमा देने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते जो लोग किसी कारणवश तीर्थ की यात्रा पर नहीं जा सकते, वे यदि सहस्त्र चण्डी महायज्ञ की परिक्रमा करके उन तीर्थों को याद करें तो तीर्थयात्रा के बराबर फल मिलता है। यज्ञ मंडप की परिक्रमा लगाने से तीर्थों के भ्रमण का फल मिलता है सर्व मनोकामना के लिए महायज्ञ अनुष्ठान हो रहा है यह केवल यज्ञ अनुष्ठान ही नहीं है बल्कि शक्ति साधना है। यह शक्ति मनुष्य के व्यवहारिक जीवन की आपदाओं का निवारण कर ज्ञान, बल प्रदान करती है। यज्ञ स्थल पर सुबह शाम श्रीपूजन, कथा पाठ, हवन किया जा रहा है।कथावाचक नृसिंह आश्रम दारागंज प्रयागराज के स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज द्वारा उपस्थित लोगों को कथा श्रवण भी कराया जा रहा है ।इस अवसर पर आचार्य अशोक कुमार शुक्ल, आचार्य आद्या प्रसाद तिवारी, उपाचार्य मदन गोपाल मिश्रा, आचार्य अंबुज द्विवेदी, ईश्वर चंद्र शुक्ल, आशाराम शुक्ल, मानस भास्कर अनुज महाराज, जवाहरलाल गौड़, चंद्रकांत पांडेय, शेखर तिवारी, सुनील तिवारी, धर्मेंद्र पांडेय, वेद तिवारी शास्त्री, विवेक शुक्ल, अभिषेक शुक्ल, हर्षहर्षवर्धन शुक्ल, उत्कर्ष शुक्ल, लोलारक मिश्रा, दीपक शुक्ल, नीरज शुक्ल एवं दर्जनों प्रकांड विद्वानों द्वारा सहस्त्र चण्डी महायज्ञ का मंत्रोच्चारण किया जा रहा है।

क्रांति मंच व कमेरा समाज ने भ्रमण कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की

31 अक्टूबर को धूमधाम से मनाई जाएगी लौहपुरुष की जयंती

शंकरगढ़। क्रांति मंच एवं कमेरा समाज पार्टी द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती किसान मजदूर दिवस के रूप में मनाई जाएगी। उक्त जानकारी कमेरा समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वजीत सिंह ने जनसंपर्क के दौरान कही। यह आयोजन सुरबल साहनी (नारीबारी) सरदार पटेल गार्डेन, बुद्ध बिहार, साहूजी नगर में होगा। सर्वजीत सिंह ने कहा की आज भ्रष्टाचार का बोलबाला है। देश की जनता की कमर महंगाई से टूट गई है। महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है। जिसके चलते गरीब जनता को दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करने में बहुत मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रदेश का युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के शुभ अवसर पर सरदार पटेल गार्डन एवं बुद्ध विहार साहूजी महाराज नगर सुरवल सहनी में पहुंचने की अपील की है। उक्त आयोजन की सफलता के लिए सर्वजीत सिंह ने क्षेत्र के कुबरी, भड़िवार, नौढि?ा उपरहार, सिंहपुर, बसदेवा, पहाड़ी कला, देवरी बेनी, गदामार, जनेह, नेवरिया, करिया कला, देवरा, लोनीपार, मौहरिया आदि गांवों में सपर्क कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है ।उनके साथ कमेरा समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गया प्रसाद सिंह, महासचिव बद्री सिंह, बबलू डॉन, बृजेंद्र सिंह, कमलाकर सिंह, अजय पटेल, सौरभ, चेन्नई राम, शैलेंद्र कुमार आदिवासी, सुनीता देवी माझी, सीमा देवी, उमा देवी, ममता देवी, रविता चौधरी, विजय वर्मा आदि लोग थे।

सपा छात्रसभा के जिला सचिव बने आदर्श शुक्ला

मेजा रोड। मेजा विधानसभा के रैपुरा गांव निवासी पूर्व प्रधान लक्ष्मीकांत शुक्ला के नाती आदर्श शुक्ला को समाजवादी छात्र सभा का जिला सचिव मनोनीत किया गया। उनके जिला सचिव मनोनयन पर स्थानीय सपाइयों ने बधाई दी है। आदर्श शुक्ला ने कहा कि पार्टी ने जिस भरोसे पर मुझे जिम्मेदारी सौंपी है। उस पर खरा उतरने का काम करूंगा। 2022 में अखिलेश सरकार बनाने के लिए लोगों के बीच में सपा की नीतियों को बताने का काम करूंगा। इस मौके पर छात्र सभा के जिलाध्यक्ष अखिलेश गुप्ता गुड्डू, शिवम पांडे प्रदेश सचिव, राहुल पटेल, अभिषेक यादव, अनिरुद्ध पांडे, सानू सहित दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

सम्मानजनक बहाली के लिए शिक्षामित्र देंगे धरना

28 अक्टूबर को जीजीआईसी में करेंगे अपनी आवाज बुलंद

फूलपुर। अपनी सम्मानजनक बहाली के लिए आंदोलित शिक्षामित्रों की एक बैठक मंगलवार को फूलपुर में संगठन के जिला उपाध्यक्ष सुनील तिवारी की अध्यक्षता में हुई। सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए संगठन के जिला उपाध्यक्ष सुनील तिवारी ने कहा कि सूबे की सरकार से हमें बहुत अपेक्षाएं थीं परन्तु सरकार हमारी उपेक्षा कर रही है जिसे अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपस्थित शिक्षामित्रों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें हमारा सम्मान चाहिए उसके लिए हम लड़ते रहेंगे। प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के ब्लाक अध्यक्ष नागेन्द्र मोहन मिश्रा ने कहा कि शिक्षामित्रों का इतिहास गवाह है कि हमें जो कुछ मिला है संघर्षों की बदौलत ही मिला है। इसलिए संगठित रहकर अपने सम्मान के लिए आगे आए। उन्होंने गुरुवार को जनपद में प्रस्तावित एक दिवसीय धरने को सफल बनाने की अपील की?। बैठक का कुशल संचालन संघ के मंत्री राजकुमार यादव ने किया।

प्रधान के पिता के निधन पर शोक सभा कर दी गई श्रद्धांजलि

करछना। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मच्छर का पुरवा के प्रधान महेंद्र कुमार के पिता राम कैलाश का आकस्मिक निधन हो जाने पर प्रधान संघ की ओर से शोक सभा आयोजित कर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई इस मौके पर प्रधानों ने 2 मिनट का मौन रहकर शोक संवेदना व्यक्त की प्रधान महेंद्र कुमार के पिता राम कैलाश की रविवार रात अचानक तबीयत खराब हो गई जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था सोमवार को सुबह अस्पताल में ही दम तोड़ दिया जिसको लेकर प्रधानों ने गहरा शोक व्यक्त किया है इस मौके पर प्रधान डीहा अमिलो, प्रधान संघ के अध्यक्ष अवतार किशन सिंह करछना, महा मंत्री धीतेश तिवारी प्रधान चनैनी , बड़ी संख्या में गांव के प्रधानों ने शोक सभा में उपस्थित रहे।

सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज, एसपी गंगापार, सीओ हंडिया द्वारा चलाए जा रहे अभियान रोकथाम अपराध, अपराध नियंत्रण एवं वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी के क्रम में सरायममरेज थानाध्यक्ष अमित कुमार राय के नेतृत्व में सरायममरेज पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बल्ली सिंह यादव, हेड कांस्टेबल सतेंद्र पाल द्वारा वांछित अभियुक्त लक्ष्मण पुत्र गिरधारी लाल गाँव मल्हीपुर थाना सरायममरेज उसके घर से गिरफ्तार करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सरकारी रास्ते पर दबंगों ने किया कब्जा

करछना। विकासखंड करछना के अल्पी का पूरा कैथी गांव में 10 वर्ष पूर्व लगा खड़ंजा गांव के कुछ दबंगों ने उखाड़ कर उस पर कब्जा कर लिया है ।और आवागमन बाधित कर दिया है उस रास्ते से गांव के सैकड़ों लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। जिससे लोगों में गहरी नाराजगी है जिसे लेकर गांव के शिव नरेश पटेल ने उपजिलाधिकारी करछना से किया है जिसे उपजिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडे गंभीरता से लेते हुए कानूनगो और लेखपाल को निर्देशित किया है कि मौके पर जाकर मामले का निस्तारण शीघ्र करें एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें।

अचानक बढ़ने लगा गंगा का जल स्तर

परियावां, प्रतापगढ़। अचानक गंगा का जल स्तर बढ़ने से कालाकांकर राजभवन को अपनी आगोश में ले लिया मंगलवार को राजभवन से सटे गंगानदी में उतरने वाली सीढ़ी को पानी ने छू लिया है इसी तरह मुरस्सापुर सोनामऊ गंगातट किनारे बने शिव लिंग मंदिर की तरफ पानी का वेग बढ़ता चला आ रहा है यदि स्थिति यही रही तो बुधवार को गंगा का पानी राजभवन से सटी पक्की सीढ़ी पर चढ़ जाएगा गंगा का जल स्तर अक्टूबर माह में पहली बार देखने को मिल रहा है गंगा का जल स्तर बढ़ने से कछार एरिया में बोए गए तरबूज की सैकड़ो बीघा खेती जलमग्न हो गई।बताया जाता है कि गंगा में कही पानी छोड़े जाने से जल स्तर बढ़ने लगा है।

जन जन को न्याय सुलभ कराना विधिक सेवा प्राधिकरण का लक्ष्यः नीरज त्रिपाठी

जनकवि प्रकाश की 49वीं पुस्तक संविधान प्रणम्य का हुआ लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आजादी का अमृत वर्ष धूम धाम से मनाया गया। आजादी के महानायक राजा बाबू गुलाब सिंह की स्मृतियों को तरो ताजा किया गया। वहीं जन सामान्य को विधिक सहायता प्राप्त करने के बारे में जागरूक किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिविल जज सीनियर डिवीजन नीरज त्रिपाठी ने कहा कि जन जन को निशुल्क विधिक सहायता देना प्राधिकरण का लक्ष्य है। प्रारंभ में ही भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बलिया गौरव से सम्मानित जनकवि प्रकाश ने किया। इस अवसर पर जन कवि की 49 वीं पुस्तक संविधान प्रणम्य का लोकार्पण न्यायाधीश व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। परियोजना निदेशक व बीडीओ मान्धाता आर सी शर्मा, थानाध्यक्ष जेठवारा रविन्द्र त्रिपाठी व राजस्व निरीक्षक भुल्लन प्रसाद यादव ने अपने अपने विभागों के क्रियाकलापो व जन सामान्य द्वारा लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध उद्घोषक शरद कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष संगठन अमर बहादुर सिंह , कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह, सह कोषाध्यक्ष कमलेश बैश्य, प्रधान पति राम पूजन पटेल, पूर्व प्रधान कमला कांत मिश्र , लाल चंद्र जौहर, अनुज प्रताप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

आशुतोष व इरफान बने सपा के जिला उपाध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

सपा कार्यालय पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिले से सभी विधानसभा के आवेदकों की व सभी विधानसभा अध्यक्ष की आकस्मिक बैठक बुलाई गयी। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश कार्यालय द्वारा निर्देशित प्रत्येक बूथ पर नाम बढ़ाना व बूथ एजेंट को कोरोना वैक्सीन टीका लगाने पर चर्चा हुई अथवा बीएलओ की भी सूची तहसील से प्राप्ति के सम्बन्ध पर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति पर आशुतोष पाण्डेय और इरफान खान को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव ने इरफान खान और आशुतोष पांडेय को माला पहनाकर स्वागत कर समाजवादी पार्टी को मजबूत कर 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए कार्य करने हेतु पूर्ण रूप से तैयार होने को कहा। इस मौके पर पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, पूर्व विधायक नागेंद्र यादव, पूर्व विधायक श्याद अली, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुषमा पाल, बृजेश यादव, समीम खान, महिमा गुप्ता, आशा सरोज, गुलफाम खान, जगदीश मौर्या, इरशाद सिद्दीकी, रामबहादुर पटेल, मनीष पाल, प्रदीप सरोज, मीडिया प्रभारी वकार अहमद सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

केपी कालेज के मैदान में कल से लगेगा दीपावली उत्सव मेला, साफ-सफाई में जुटे नपा कर्मचारी

रेहड़ी व पटरी दुकानदारों को प्रोत्साहित करने हेतु होगा आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शासन के निर्देश पर नगर पालिका गुरुवार यानि 28 अक्टूबर से नगर के केपी कालेज में चार दिवसीय दीपावली उत्सव मेला का आयोजन करेगी जिसकी तैयारी में मंगलवार को नगर पालिका के कर्मचारी जुट गये हैं।यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि रेहड़ी पटरी दुकानदारों को प्रोत्साहित करने के लिये यह दीपावली उत्सव मेला आयोजित किया जा रहा है जिसके लिये नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने मेला स्थल पर विधिवत साफ-सफाई कराने का आदेश दिया है। दोनों के आदेश पर आज नगर पालिका के रोड गैंग व नाला गैंग के लगभग 30 कर्मचारी साफ-सफाई में जुट गए। केपी कालेज में उगी बड़ी बड़ी घासों को काटा गया तथा साफ-सफाई की गई। इसके अलावा नगर में नगर पालिका रोस्टर के हिसाब से नियमित रुप से एंटी लार्वा का छिड़काव कर रही है। सफाई निरीक्षक श्री सिंह ने बताया कि मंगलवार को सदर बाजार व अजीत नगर वार्ड में एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। उन्होंने कहा कि मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिये नियमित रुप से रोस्टर के अनुसार वार्डों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है। इसी के साथ ही साफ-सफाई करने में भी कर्मचारी नियमित रुप से जुटे है। मंगलवार को अचलपुर वार्ड में नाला क्लीनिंग मशीन से नाले-नालियों की सफाई की गई।

सेक्रेटरी व एडीओ पंचायत पर धन रिकवरी कराए जाने की मांग

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विकास कार्य कराए जाने के बाद पंचायत चुनाव की घोषणा होने के बाद किये गए कार्य का भुगतान नहीं हो सका। पूं प्रधान का आरोप है कि इस दौरान सेक्रेटरी और एडीओ पंचायत में मिलीभगत से सरकारी खाते से 11.50 लाख निकाल लिया गया। पीड़ित ने इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र लिखकर रिकवरी कराए जाने की मांग की है। आसपुर देवसरा विकासखंड के रमईपुर नेवादा ग्राम सभा के पूर्व प्रधान राकेश कुमार यादव ने जिला अधिकारी प्रतापगढ़ को प्रार्थना पत्र देकर आरोपित किया है कि 2015 के चुनाव में वह प्रधान पद के लिए ग्राम सभा में निर्वाचित हुए थे। पंचायत चुनाव 2020 की तिथि घोषित होने के कारण 25 दिसंबर 2020 को उनकी प्रधानी समाप्त हो गई और चुनाव की घोषणा हो गई उसके पहले पूर्व प्रधान ने 35 हैंडपंप का मरम्मत कराया था। 30 इंडियामार्का नल रिबोर कराया था तथा 120 मीटर पक्की सड़क बनवाया था जिसका भुगतान नहीं हो सका था। इसी बीच वह फिर से पंचायत चुनाव में व्यस्त हो गया। ग्राम सभा के तत्कालीन सेक्रेटरी तथा एडीओ पंचायत ने धोखा देते हुए 11.50 लाख सरकारी खाते से निकाल लिया।

संदिग्ध परिस्थिति में मिला अज्ञात महिला का शव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे क्रॉसिंग के पास संदिग्ध परिस्थिति में अज्ञात वृद्ध महिला का शव मिला है। वृद्ध महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के दुकानदारों ने पुलिस को दी सूचना। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन करने में जुटी। समाचार भेजे जाने तक वृद्ध महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक पर हुआ जानलेवा हमला

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के भाटी गांव के एक ही युवक ने उधार का पैसा युवती से मांगने पर उसने उसे नेवादा गांव बुला लिया गया जहां पर उसे पति और पतने ने मिलकर दौड़ा कर जमकर मारा पीटा जिससे वह बेहोश हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों पर गैर इरादतन हत्या मारपीट बलवा सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के जलील अहमद ने बताया कि उसके भाई ने नेवादा गांव की रहने वाली एक महिला को कुछ पैसे उधार दिए थे। सोमवार को पैसा मांगने पर महिला ने उसके भाई को नेवादा गांव में बुलाया और वहां पर महिला अपने पति सोनू के साथ युवक को मारने के लिए दौड़ा लिया और उस पर लाठी डंडा से प्रहार किया जिससे वह बेहोश हो गया।

भागवत कथा सुनने से इहलोक और परलोक दोनों सुधरता है : केशरी नाथ

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। भाजपा के वरिष्ठ नेता/विधि वेत्ता एवं पूर्व राज्यपाल पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी ने आज नूरपुर में पण्डित कमलाकांत त्रिपाठी के यहां आयोजित श्रीमद्भगवत कथा का दीप प्रज्ज्वलन कर श्री गणेश किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने से इहलोक और परलोक दोनों सुधर जाता है। जितना आध्यात्मिक ज्ञान भागवत पुराण, गीता के संदेश और हिन्दू धर्म से मिलता है। उतना विश्व के किसी धर्म से नही मिलता। कथा व्यास पाराशर जी की कथा इतनी मधुर है कि सुनने वाले मनमुग्ध हो जाते है। श्री त्रिपाठी ने कथा व्यास पराशर एवं सोहगौरा परिवार को भव्य आयोजन के लिये धन्यवाद दिया। इसके बीच कथा व्यास ने पूर्व राज्यपाल को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। आयोजक आशुतोष त्रिपाठी एवं संगम लाल त्रिपाठी मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

जयंती पर याद किए गए स्वतंत्र सेनानी और कलमकार गणेश शंकर विद्यार्थियों

पट्टी, प्रतापगढ़। मंगलवार को पट्टी नगर स्थित रायपुर रोड पर प्रतापगढ़ प्रेस क्लब इकाई पट्टी के तत्वावधान में स्वतंत्रता सेनानी और प्रखर पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव मनोज यादव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के साथ साथ गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपनी बेबाक पत्रकारिता से फिरंगियों की बर्बरतापूर्ण नीति का जमकर विरोध किया था। संगठन मंत्री रोहित जायसवाल ने कहा विद्यार्थी जी ने प्रताप, सरस्वती, हितवार्ता जैसे अखबार के माध्यम से जन जागरण व चेतना की जो अलख जगाई वह हम सबके लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर अध्यक्ष परसुराम ओझा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, उपाध्यक्ष पीयूष सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, संरक्षक सुरेश शुक्ला व सुधीर श्रीवास्तव सहित एक दर्जन से अधिक पत्रकार मौजूद रहे।

कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्रा के स्वागत की तैयारी पूरी, जिलाध्यक्ष ने जारी की कार्यक्रम की रुपरेखा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले में प्रतिज्ञा यात्रा के स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। जनपद के बॉर्डर पर स्वागत कर यात्रा को जनपद के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम निर्धारित किये गए हैं। उक्त जानकारी आज यहां जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर आयोजित पत्रकारवार्ता में दी है। पत्रकार वार्ता में उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के सचिव व प्रतापगढ़ प्रभारी रंजीत सिंह सलूजा मौजूद रहे।

कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में प्रवेश के उपरांत अपरान्ह एक बजे विश्वनाथगंज बाजार में स्वागत किया जाएगा। पश्चात भुपियामऊ चौराहे पर स्वागत एवं नगर प्रवेश के बाद दो बजे पत्रकारवार्ता का आयोजन किया जाएगा। पत्रकारवार्ता के पश्चात लगभग तीन बजे चौक में जनसभा का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात नगर क्षेत्र में ही पदयात्रा व जनसंपर्क का कार्यक्रम आयोजित है। उन्होंने बताया कि 28 अक्टूबर 2021 को प्रातः लगभग नौ बजे प्रतिज्ञा यात्रा विधान सभा क्षेत्र रामपुर खास के लालगंज कस्बे के लिए रवाना होगी और वहां अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

पश्चात यात्रा अमेठी के लिए प्रस्थान करेगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि कांग्रेस के सभी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ही सभी संभावित उम्मीदवार व कांग्रेस के सभी साथी बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से डा0 वी0के0सिंह, इरफान अली, वेदांत तिवारी, प्रशांत देव शुक्ल मौजूद रहे।

फर्जी तरीके से कराया जमीन का बैनामा, आरोपियों पर मामला दर्ज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। महिला की मृत्यु होने के बाद फर्जी तरीके से कूट रचना करके रजिस्टार ऑफिस में किसी दूसरी महिला को विक्रेता बनाकर जमीन आरोपियों ने अपने नाम कर लिया। इसकी सूचना जब उसके बेटे को लगी तो उसने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दिया। पुलिस ने सभी आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के तिवारीपुर खुर्द गांव के रहने वाले देवराज तिवारी पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसकी मां चमेला देवी की मौत सन 2019 में हो गया था। 11 अक्टूबर 2019 गांव के तीन लोगों ने फर्जी आईडी लगाकर किसी दूसरी महिला को चमेला देवी बनाकर रजिस्टार ऑफिस में फर्जी तरीके से जमीन का बैनामा करा लिया। पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी, कूट रचना करने सहित विभिन्न धाराओं में आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया।

दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना कुण्डा से प्रभारी निरीक्षक राकेश भारती मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 338/21 धारा 376, 504, 506 भादवि से सम्बन्धित एक वांछित अभियुक्त मुनई उर्फ सुन्दरलाल यादव पुत्र स्व0 राम खेलावन यादव नि0 सलैमपुर ददौरा थाना कुण्डा को थाना क्षेत्र के मनगढ़ से गिरफ्तार किया गया।

ट्रांसफार्मर ब्लॉस्ट में एक और घायल की मौत, कोहराम

अखंड भारत संदेश

त्रिस्तरीय टीम ने शुरू किया विभागीय जांच

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के ट्रामा सेंटर के सामने हुए ट्रांसफार्मर ब्लास्ट मे मंगलवार को एक और घायल की इलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना मे घायल पांच लोगों मे अब मरने वालों की संख्या दो हो गयी है। वहीं मंगलवार को ट्रांसफार्मर ब्लास्ट के कारणों की जांच के लिए प्रयागराज से विद्युत विभाग की एक टीम ने भी जरूरी पड़ताल किया।

बीती 20 अक्टूबर को नेशनल हाइवे लखनऊ वाराणसी के स्थानीय ट्रामा सेंटर मे लगा ट्रांसफार्मर अचानक जल गया। घटना मे पांच लोग घायल हो गये। इनमे से चार की स्थिति गंभीर देख इन्हें प्रयागराज मेडिकल कालेज मे इलाज के लिए भर्ती कराया गया। घटना के तीसरे दिन लालगंज कोतवाली के भदारीकला निवासी सूर्यभान सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गयी थी। सूर्यभान की मौत को लेकर ट्रामा सेंटर के सामने आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने घंटो जाम भी लगाया था। इधर मंगलवार को कोतवाली लालगंज के जलेशरगंज निवासी श्रीराम के पुत्र दीपक निर्मल 36 की भी इलाज के दौरान प्रयागराज मेडिकल कालेज मे मौत हो गयी। दीपक की मौत की खबर घर पहुंची तो परिजनों मे कोहराम मच गया। दीपक की मां कमलेश कुमारी को बेहोश देखा गया। वहीं पतने नीशा का भी रो रो कर बुराहाल है। मृतक दीपक अपने पीछे चार बच्चों को निराश्रित छोड गया है।

इनमे आयुष 10, आर्यन 08, अंश 06 व आदित्य 03 है। मृतक दीपक जलेशरगंज मे जनसेवा केंद्र के जरिए परिवार का भरण पोषण किया करता था। वहीं ट्रांसफार्मर ब्लास्ट की घटना को लेकर मंगलवार को प्रयागराज से जांच के लिए विद्युत विभाग की तीन सदस्यीय टीम भी पहुंची। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा सीडब्लूयूसी मेंबर प्रमोद तिवारी की इस घटना को लेकर ऊर्जा मंत्री से जांच कराने की मांग के तहत टीम ब्लास्ट के कारणों को खंगालने मे घंटो मशक्कत करती दिखी। टीम मे शामिल अधीक्षण अभियंता विद्युत प्रयागराज वीरेन्द्र कठेरिया तथा अधिशाषी अभियंता प्रयागराज राजेश कुमार एवं अभियंता सीएम सिंघल ने घटनास्थल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। टीम ने स्थानीय विभागीय अधिकारियों से भी घटना को लेकर जरूरी पूछताछ की। इधर जलेशरगंज निवासी दीपक निर्मल की मौत की जानकारी होते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन भी एहतियातन सतर्क दिखा। ब्लास्ट मे घायल अन्य दो का अभी एसआरएन मे उपचार जारी बताया जाता है।

ब्लास्ट में हुई मौत पर प्रमोद तिवारी व मोना ने जताया दुख

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। ट्रांसफार्मर ब्लास्ट मे जलेशरगंज निवासी दीपक निर्मल के निधन पर क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने गहरा दुख जताया है। प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने ब्लास्ट के कारणों की जांच शीघ्र पूरी करते हुए घटना मे दोनों मृतकों के आश्रितों को शासन से भरपूर सहायता भी तत्काल उपलब्ध कराये जाने को कहा है। वहीं विधायक मोना ने ब्लास्ट की घटना मे लापरवाही के कारणों के स्पष्ट होने की स्थिति मे दोषी विद्युतकर्मियों के खिलाफ कडी कार्रवाई पर भी जोर दिया है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने यहां जारी विज्ञप्ति मे दी है।

खबर संक्षेप

विछिप्त महिला कुआ में गिरी

कौशाम्बी। सराय अकिल के फाकिराबाद निवासी मैकूलाल दिवाकर की पत्नी मैकी उम्र लगभग 55 वर्ष एक माह से बीमार चल रही है जिसके कारण वह दिमागी संतुलन खो बैठी है। मैकूलाल दिवाकर ने बताया कि मैकी ग्राम के उत्तर दिशा में शौच के लिये गई थी।वही पर एक पुराना कुआ में गिर गई मैकी समय से घर नही पहुँची तो घर वाले ढूंढने के लिये निकले कुआ के अन्दर झांकने और आवाज देने पर कराहने की आवाज आई ग्रामीणों की मदद से मैकी को बाहर निकाला गया।

पुलिस ने गश्त तेज की

कौशाम्बी। एसपी के कुशल निर्देशन में आगामी दीपावली त्योहारों को मद्देनजर रखते हुए जिले की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। विभिन्न थानों द्वारा चेकिंग अभियान व गस्त किया गया जिसमें थाना सैनी थाना कोखराज थाना महेवाघाट थाना चरवा व अन्य थानों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जिले के बॉर्डर व टोल प्लाजा में गस्त कर संदिग्धों की चेकिंग की है।

शांति भंग की कार्यवाही

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना पुलिस द्वारा दो पक्षों के बीच हुए जमीन के विवाद के मामले में मारपीट की घटना को शांति भंग में परिवर्तित कर दिया है पुलिस ने 05 लोगों के विरुद्ध शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 151/107/116 सीआरपीसी की निरोधात्मक कार्यवाही की है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

मौत के बाद रोते बिखलाते परिजन उपस्थित ग्रामीण

अखंड भारत संदेश

कल्यानपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी टेढी मोड अंतर्गत केशवा पुर नेशनल हाईवे के पास 24 अक्टूबर की शाम सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए थे घायल युवको को इलाज के लिए मंझनपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है इलाज के दौरान मंगलवार को युवक की मौत हो गई है सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक अहिरारा गांव निवासी अनिल कुमार निर्मल पुत्र हरि प्रसाद निर्मल अपने साथी प्रदीप कुमार पाल पुत्र बीरबल पाल के साथ 24 अक्टूबर को बमरौली का दंगल देख कर बाइक से वापस घर लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे केशवापुर के पास पहुंचे कि एक तेजगति अनियंत्रित कंटेनर की टक्कर से दोनो युवक गंभीर घायल हो गए थे।जिसमें अनिल कुमार की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण मंझनपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज हेतु उसे भर्ती किया गया था इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह अनिल की मृत्यु हो गई है। शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम को भेज दिया है अनिल की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा है पूरे गांव के लोगो में शोक की लहर ब्याप्त है।

सराय अकिल थाना अंतर्गत बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है डीजल और पेट्रोल

पेटोल पंप मालिको में भारी आक्रोश

कौशाम्बी। सरायअकिल थाना अंतर्गत अवैध तेल बाजारों में बेखौफ बेचा जा रहा है।सराय अकिल के करन चौराहा पर किराने के दुकानों में तेल बेचा जा रहा है नगर पंचायत बाजार पटेल चौराहा नेवादा आदि कई ऐसे जगह है जहाँ पर तेल की बिक्री होती है देखा जाय तो केवल कस्बा में ही आधा दर्जन से अधिक दुकाने है जहा तेल की बिक्री होती है।

कहां से आता है तेल

कौशाम्बी। प्रयागराज झलवा से यह तेल की सप्लाई होती है।लोग दोपहिया से लेकर चारपहिया तक से रात भर तेल धोने का कार्य करते रहते है।सोचने वाली बात यह है कि यदि सप्लायर को कौशाम्बी जाना पड़े तो उसे कई चौकी और थाने के रास्ते से होकर गुजरना पड़ता होगा।तो क्या रास्ते मे इन्हें जांच करने वाला कोई नही मिलता या फिर मुलाकात करके जेब ढीली करवाकर छोड़ दिया जाता हो। यह कोई एक दिन का कार्य नही है। लगातार हो रहे इस गोरख धन्दे का कौन है मास्टरमाइंड।

कभी भी हो सकती है बड़ी घटना

कौशाम्बी बाजार के अंदर अत्यधिक जवालनसिल पदार्थ को रखना खतरे से खाली नही है ।कभी भी बाजार में बड़ी दुर्घटना हो सकती है सोचने वाली बात है कि जहाँ एक ओर पेट्रोल पम्प के मालिक पैसे खर्चा कर बिजनेस कर रहा है वही दूसरी ओर बगैर लाइसेंस के धड़ल्ले से दुकानदार पेट्रोल बेच कर अपनी तिजोरी भर रहा है।

एसडीएम का आदेश नहीं मानते सरायअकिल थानाध्यक्ष

कौशाम्बी थाने का पदभार स?भालने के बाद कानून व्यवस्था पर बड़ी बड़ी भाषण देने वाले सराय अकिल थानाध्यक्ष उपजिलाधिकारी का आदेश नहीं मानते।आरोप है कि वह फरियादियों की बातों को अनसुना कर थाने से भगा देते हैं।तरना गांव निवासी गुल्लू सिंह उर्फ गुलबदन सिंह पुत्र आनंदी सिंह के अनुसार आराजी संख्या 128 मि और आराजी संख्या 141 जमीन उनके मृतक भाई मथुरा सिंह ने विरासतन उनको दिया था। जिस पर विपक्षी देवी दयाल सिंह ने कब्जा कर रखा है। इस जमीन का एक वाद उपजिलाधिकारी न्यायालय में धारा 145 के तहत चल रहा है। उपजिलाधिकारी चायल ने इस मुकदमे के तहत मौके पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है उप जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद थानाध्यक्ष सराय अकिल जमीन को खाली नहीं करा रहे हैं।आदेश लेकर गये फरियादी को थाने से शनिवार को भगा दिया। पीड़ित ने सोमवार को क्षेत्राधिकारी श्यामाकांत से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

न्यूज झरोखा

आवारा सांड आपस मे भिड़े, फर्नीचर के दुकान के अंदर दो लाख का किया नुकसान

कौशाम्बी। नगर पंचायत सराय अकिल अंतर्गत इन दिनों आवारा पशुओ का आतंक है।सरकार के आदेश को ठेंगा दिखा रहे है जिम्मेदार।जब कि सरकार का आदेश है आवारा पशुओ को गौशाला में पकड़कर रखा जाय।लेकिन आज भी सराय अकिल कस्बा में छुट्टा जानवर का बोलबाला है।आम पब्लिक को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।कभी कभी लोग इनके चलते काफी चोटहिल हो जाते है।लेकिन नगर पंचायत सरायअकिल के जिम्मेदारों के कान पर जु तक नही रेंगती है।क्या नगर पंचायत के जिम्मेदार किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे है।आवारा जानवर सड़क के बीचों बीच लड़ने लगते है जिससे वाहन चालकों में परेशानी होती है और दुर्घटना हो जाती है। जानकारी के अनुसार सराय अकिल फकीरबाद चौराहे पर आवारा साड़ आपस मे भीड़ गए।लड़ते हुए साड चौराहा स्थित मोहम्मद सईद के फर्नीचर दुकान के अंदर घुस गए।दुकान के अंदर काम कर रहे कारीगर भाग कर अपनी जान बचाय दुकान मालिक ने जानकारी दिया कि लगन की तैयारी को लेकर काफी फर्नीचर तैयार किया गया था।दुकान मालिक के अनुसार लगभग दो लाख का नुकसान हुआ है।

नेहरू नगर में टूटी नाली और खराब हैंडपंप मरम्मत की मांग

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के नेहरू नगर में शिव मंदिर के सामने गली में नाली टूटी है जिससे भक्तों को पूजा पाठ करने में दिक्कत होती है मोहल्ले वासियों ने बताया कि मंदिर परिसर के बाहर लगा हैंडपंप भी वर्षों से खराब है जिससे उससे पानी नहीं मिल पाता है नगर वासियों का कहना है कि कई बार मामले की शिकायत नगर पालिका से कर हैंडपंप और नाली ठीक कराए जाने की मांग की है लेकिन नगरपालिका ने हैंडपंप भी नहीं ठीक कराया और नाली की मरम्मत भी नहीं कराई है जिससे नाले की गंदगी सड़कों पर भर जाती है मंझनपुर कस्बे के पुराने महिला अस्पताल के पास भी कई वर्षों से एक हैंड पंप खराब है मंझनपुर के लोगों ने इस हैंडपंप की मरम्मत की भी कई बार नगर पालिका से मांग की लेकिन अभिलेखों में हैंडपंप मरम्मत दिखाने के बाद सरकारी खजाने से रकम निकालकर जिम्मेदार डकार जाते हैं लेकिन नगर के खराब हैंडपंपों की मरम्मत नहीं होती है जबकि पुराने अस्पताल के पास सब्जी मंडी लगती है और किसान व्यापारियों का वहां जमावड़ा लगता है पानी की व्यवस्था ना होने से गांव क्षेत्र से बाजार आने वाले लोगों को बूंद बूंद पानी के लिए परेशान होना पड़ता है लोगों ने जिला अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए हैंडपंप का रिबोर और खराब टूटी नाली की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

पुलिस के गस्त लगाने से अराजक तत्व बौखलाए

कौशाम्बी। औधन गांव में अराजक तत्वों का चौराहे पर जमावड़ा लगने के मामले में क्षेत्राधिकारी चायल से शिकायत कर अराजक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की गई थी जिस पर दीपावली त्योहार को देखते हुए चौकी पुलिस अपने क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान शराबी जुंआड़ी अराजकताओं व मनचलों पर सख्त दिखाई देती नजर आ रही है जिससे आराजक तत्व बौखला गए चौकी पुलिस ने पत्रकार के घर का पता पूछ कर अप्रत्यक्ष रूप से पत्रकार के विरुद्ध आराजक तत्वों को लामबंद कर दिया है । पिपरी थाना के लोधउर चौकी पुलिस सोमवार शाम को क्षेत्रों में गस्त करते हुए औधन गाँव लगभग सात बजे पहुँची चौराहे पर अराजक तत्व के लोग जमावड़ा लगाए बैठे थे जिस पर पुलिस ने उनको डांट डपट कर चौराहे पर फालतू बैठने से मना किया तो अराजकताओं मे खलबली मच गई वही गाँव में चौराहे के पास पत्रकार का घर है पुलिस पत्रकार से मिलने के लिए वहाँ मौजूद लोगो से पत्रकार का घर पूंछ लिया फिर क्या था पुलिस के जाते ही कुछ आराजक तत्वों ने पत्रकार के पास आकर कहा कि तुमने पुलिस क्यों बुलाया है तुम्हे देख लेंगे कुछ अराजक लोग पत्रकार से किसी बहाने झगड़ा कर घर में घुसकर मारपीट करने की साजिश रच सकते हैं।

दिग्गजों का चुनावी समीकरण बिगाड़ सकती हैं डॉ. नीतू कनौजिया

मायावती को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए बसपाई बेचैन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बहुजन समाज पार्टी ने मंझनपुर विधान सभा से डॉ. नीतू कनौजिया को चुनावी समन्दर में उतारा है। नीतू कनौजिया पहले से भी सामाजिक सेवा में अपना योगदान दे रहीं थी। वहीं दलित वोटों में पार्टी के अलावा उनकी भी अपनी एक पैठ है। ऐसे में यदि अपने धुरी मतदाताओं को रिझाने में बसपा नेत्री सफल हुईं तो दिग्गजों का चुनावी समीकरण फेल हो सकता है मंगलवार को मंझनपुर विधान सभा के मढी गांव में चौपाल को सम्बोधित करते हुए बसपा नेता व विधान सभा अध्यक्ष बंशीलाल चौधरी ने लोगों से कहा कि इस बार मायावती ने मंझनपुर विधान सभा से एक जुझारू प्रत्याशी मैदान में उतारा है। जो आपके सुख दुख की साथी होंगी डॉ. नीतू कनौजिया के चुनावी मैदान में उतरने से गैर बसपा दलों का समीकरण फेल होता नजर आ रहा है। इस दौरान जनता से बसपा नेत्री ने अपील करते हुए कहा कि आप लोगों का जो आपार जन समर्थन मुझ महिला को मिल रहा है उससे साफ है कि इस बार बसपा का परचम लहराएगा और उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रिमो मायावती पुनः पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनेंगी और उत्तर प्रदेश में जंगल राज हटाकर प्रदेश को एक नया आयाम देंगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में माफियाओं का बोल बाला है, गरीब न्याय को भटक रहा है, इनकी जगह इनके आलीशान बंगले नहीं बल्कि जेल की सलाखें होंगी। चौपाल में गुड्डू, छोटेलाल मौर्य, अशेक कुमार मौर्य, अमृतलाल साहू, उमाशंकर यादव, रामकरन क्षेत्र पंचायत सदस्य, रामदास पाल, श्री निवास, सुधा देवी सहित गांव के तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रदेश से हटी बसपा सरकार तो विकास को तरस गया प्रदेश : डॉ नीतू कनौजिया

डॉ. नीतू गांव-गांव लगा रहीं चौपाल पार्टी की नीति व बहन जी के उद्देश्यों का जोरदारी से कर रहीं प्रचार

अखंड भारत संदेश

समर्थकों के साथ जन संपर्क करती डॉ नीतू कनौजिया

कौशाम्बी। मंझनपुर विधान सभा से प्रत्याशी डॉ नीतू कनौजिया इन दिनों बसपा की खेवनहार के रूप में पूरी ताकत जनता के बीच झोंक चुकी हैं। गांवों में चौपाल लगाकर पार्टी की नीतियों और बहन जी के उद्देश्यों का जोरदारी से प्रचार कर रही हैं। सोमवार को वह अपने समर्थकों के साथ एडहरा में बूथ गठन करने के बाद पूरे गांव में जन सम्पर्क किया एडहरा गांव में आयोजित चौपाल को सम्बोधित करते हुए बसपा नेत्री नीतू कनौजिया ने कहा कि 2022 के इस चुनाव को लेकर समूचा प्रदेश बसपा की ओर निगाह टिकाए बैठा है। प्रदेश जनता इस बार बहन कुमारी मायावती को प्रदेश का मुखिया बनाने के लिए बेताब दिख रही है। उन्होंने कहा कि जनता को पूरा भरोसा है कि यदि प्रदेश को कोई नई दिशा दिया है और देगा तो वह बसपा सुप्रिमो बहन जी हैं क्योंकि उनके कार्यकाल में गुंडों की जगह सलाखों के अंदर रहती है। उन्होंने कहा कि हर हाथ रोजगार हो, बेरोजगारी खत्म हो, गांव, नगर, जिला से लेकर प्रदेश में विकास की गंगा बहे इसलिए जनता पूरी ताकत से बसपा को समर्थन देकर सरकार बनाने जा रही है। कहा कि जब से बसपा की सरकार प्रदेश से हटी है प्रदेश विकास को तरसा सा गया है और दलित, पिछडा न्याय को भटकता नजर आ रहा है। उन्होंने जनता से बसपा के लिए समर्थन मांगा तो गांव की महिलाएं उन्हें गले से लगा ली है। मंझनपुर विधान सभा में जिस तरह से बसपा प्रत्याशी डॉ. नीतू कनौजिया को अपार जन समर्थन मिल रहा है उससे विपक्षी दलों की धडकने तेज हो गई हैं। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष बंशी लाल चौधरी दिलीप चौधरी बच्ची लाल पासी, चंद्रपाल रंजीत कुमार रामप्रकाश शुकुरू प्रदीप प्रमोद कुमार आशीष कुमार कोरी, शिव कुमार सहित गांव की जनता मौजूद रही।

किसान नौजवान मजदूर के लिए सरकार ने किया काम : विधायक संजय

अखंड भारत संदेश

जनचौपाल को संबोधित करते चायल विधायक

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने विधानसभा चायल के पनारा गोपालपुर व मोहम्दाबाद में जन चौपाल का कार्यक्रम कर स्थानीय लोगो से जान सवांद किया। इस दौरान विधायक ने प्रदेश की योगी सरकार के योजनाओं को बताया और कहां की आज हर तबके का गरीब किसान नौजवान खुशहाल है केंद्र और राज्य की सरकारो ने मिलकर चारों तरफ विकास ही विकास किया है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में आते ही सबसे पहले किसानों का कर्जा माफ किया गरीब के सर पर प्रधानमंत्री आवास के रूप में हर गरीब को पक्का मकान मिल रहा है कोरोना जैसी महामारी आने के बाद कोई गरीब परेशान ना रहे इसलिए मुफ्त में राशन दिया जा रहा है मुख्यमंत्री राहत कोष से अपनी विधानसभा के सैकड़ों लोगों का इलाज कराया है जो आज अपने परिवार के बीच हैं मुख्यमंत्री विवाह योजना के तहत हमने सबसे ज्यादा बेटियों का विवाह कराया है। किसानों को सम्मान निधि के रूप में सीधे उनके खाते में रुपये पहुंचाया जो सीधे किसान को प्राप्त होती है उन्होंने कहा कि इसमें कोई बिचौलिया नहीं होता है विधायक श्री गुप्ता ने कहा कि बहुत सारी ऐसी योजनाएं चलाई गई है जो हर गरीब तबके के लोगो तक पहुंच रही है। हमारी सरकार में आज गुंडे माफिया की जगह जेल में हैं हमारी सरकार में जो भी घोषणा किया था आज हमने सत प्रतिशत पूरा किया है इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री उमेश केसरवानी जगपत लालचंद निषाद, हीरालल निषाद रामबहादुर जयसवाल केस राज मौर्य सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

लूट की फर्जी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने वाला हुआ बेनकाब

कौशाम्बी। पूरामुफ्ती क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज के शिक्षक ने नैतिकता की हद पार कर फर्जी तरीके से बिरोधियो को फंसाने के लिए पांच लाख रुपए लूट की कहानी गढ़ी थी पुलिस की जांच में शिक्षक का फजीर्वाड़ा उजागर हो गया है शिक्षक के फजीर्वाड़े की कलई खुलने के बाद वह घुटनों के बल गिर पड़ा है और समझौते की बात कर रहा है लेकिन पुलिस लूट की फर्जी कहानी गढ़ने वाले शिक्षक को सबक सिखाने को तैयार है मामला चरवा थाना क्षेत्र का है। नीरज कुमार पुत्र कैलाश उपाध्याय निवासी चरवा पश्चिम थोक ने डायल 112 पुलिस को फोन कर आरोप लगाया है कि स्थानीय थाना क्षेत्र के चिल्ला शहबाजी पेट्रोल टंकी के पास व गैस एजेंसी के नजदीक लुटेरों ने उन्हें घेरकर 5 लाख रुपया लूट लिया है और लुटेरे फरार हो गए लूट की सूचना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस घटनास्थल पर पहुँची और घटना के मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी पुलिस की जांच में लूट की घटना फर्जी निकली अभी 24 घंटे पूरे नहीं हुए कि फर्जी लूट की सूचना देने वाला आरोपी थाने पर आकर समझौता के मामले में बातचीत करने लगा। अपने आप को फसता देख कानून व्यवस्था सहित पुलिस प्रशासन को फिर से गुमराह करने में जुट गया है।

भगवान श्री राम की आरती करते भक्तगण

भगवान श्री राम के प्रकट होते ही लगे जयकारे

कौशाम्बी। उदहिन बुजुर्ग बाजार में चल रही दस दिवसीय रामलीला के दूसरे दिन भगवान राम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न के जन्मोत्सव की लीला दिखाई गई। भगवान राम के प्रकट होते ही भक्तों ने जयकारे लगाए और उनकी आरती की रावण, कुंभकर्ण के अत्याचारों से पृथ्वी कांप उठी। इधर मेघनाद ने तैंतीस करोड़ देवताओं को जीतकर इन्द्र लोक में कब्जा कर लिया। इससे देवताओं में हाहाकार मच गया। आखिर में तैंतीस करोड़ देवता और पृथ्वी भगवान विष्णु के शरण में पहुंचे। भगवान विष्णु से उन्होंने रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद आदि राक्षसों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई।

मंच पर रावण बणासुर संवाद करते रामलीला कलाकार

इस पर भगवान विष्णु ने कहा कि जल्द ही मै रामावतार लूंगा और राक्षसों का बध करके उनके अत्याचारों से आप सबको मुक्ति दिलाऊंगा। इस घटना के बाद राजा दशरथ के पुत्र न होने पर राजा दसरथ मुनि वशिष्ठ के पास गए और अपने दुख का कारण बताया। राजा दसरथ की बात सुनकर मुनि वशिष्ठ जी ने उन्हें श्रृंगी ऋषि के पास चलने कों कहा। राजा दशरथ मुनि वशिष्ठ जी के साथ श्रृंगी ऋषि के आश्रम पहुंचे और अपनी व्यथा बताई। इसपर श्रृंगी ऋषि ने राजा दसरथ से पुत्रेष्टि यज्ञ करने को कहा। राजा दशरथ ने तत्काल श्रृंगी ऋषि से पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने का अनुरोध किया। श्रृंगी ऋषि ने पुत्रेष्टि यज्ञ पूर्ण करने के बाद तीनों रानियों कौशल्या, सुमित्रा, कैकेई को खीर खाने को दिया। इसके बाद राजा दसरथ के चार पुत्र राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न पैदा हुए। जैसे ही राम जी प्रकट हुए, राम भक्तों ने भगवान राम के जयकारे लगाए। रामलीला के आयोजक जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने भगवान राम के प्रकट होते ही उनकी आरती की और दंडवत प्रणाम किया। इस अवसर पर जीतू केसरवानी, डॉ राजेंद्र प्रसाद, बृजेन्द्र तिवारी, राम बाबू सोनकर, बिनोद केसरवानी, शिव सिंह किराना, शिवम सोनी, जुम्मन अली, अरविंद मौर्य समेत कई लोग मौजूद रहे।

रावण-बाणासुर संवाद सुन रोमांचित हो उठे दर्शक

कौशाम्बी। करारी की ऐतिहासिक 13 दिवसीय रामलीला के चौथे दिन रविवार की रात रामलीला मे बुंदेलखंड से आए कलाकारों ने रावण-बाणासुर संग्राम का शानदार मंचन किया। मिथिला के राजा जनक के आमंत्रण पर राम- लक्ष्मण विश्वामित्र के साथ राजा जनक के यहां सीता स्वयंवर में पहुंचते हैं। राम, लक्ष्मण के सौंदर्य को देख वहां सभी मोहित हो जाते हैं। इसी बीच लंकापति रावण बिना आमंत्रण सीता स्वयंवर में पहुंचता है। यह देखकर सभापति बाणासुर रावण का परिचय पूछते हैं।(बाणासुर के रावण से परिचय पूछते ही वह क्रोध से तमतमा उठता है और फिर यहीं से रावण और बाणासुर का संवाद शुरू होता है। लंकापति रावण सीता स्वयंवर के लिए आमंत्रण न मिलने पर राजा जनक पर क्रोधित होता। निमंत्रण न दिए जाने का कारण पूछता है। जनक कहते हैं कि समुंदर पार लंका जाना संभव नहीं था। इसीलिए निमंत्रण नहीं भेज सके। तो रावण और क्रोधित हो जाता है और कहता है कि अगर आप ने समुद्र में एक पत्र भी डाल दिया होता तो समुंद्र में इतना साहस नहीं होता कि हम तक वह न पहुंचा देता। उसके पश्चात सीता स्वयंवर में आये रावण सहित तमाम राजाओं ने धनुष तोड़ने की पूरी कोशिश की, पर वह हिला तक ना सके। राजा जनक की चिंता बढ़ जाती है।इस मौके पर विनोद चौधरी,जियालाल सरोज,ज्ञान सिंह कुशवाहा,पवन शर्मा,पप्पी केशरवानी,सुशील मोदनवाल आदि सैकड़ो की संख्या मे रामभक्त उपस्थित रहे।

जिला बदर अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जिला बदर किए जाने के आदेश दिए जाने के बाद भी आरोपी क्षेत्र में घूमकर अपराधिक गतिविधियों में लिप्त था जिसकी सूचना पुलिस को मिल गई जिस पर पुलिस ने जिला बदर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है जिले में अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस द्वारा अभियुक्त मो0 गुलखान पुत्र मो0 हनीफ निवासी मीरापुर तकिया मर्दानपुर बर्जि थाना सैनी को गिरफ्तार किया है जिला मजिस्ट्रेट द्वारा उसे जिला बदर किया गया था मुखबिर की सूचना पर थाना सैनी कार्यालय से मो0 गुलखान उपरोक्त को जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुपालन को छः माह के लिए जिले की सीमा से बहिष्कृत किया गया है थाना सैनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर पहुच कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

अंतर्राज्यीय गिरोह के चार अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

पुलिस गिरफ्त में अभियुक्त

कौशाम्बी। जिले में चलाए जा रहे अपराधियो के विरुद्ध अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना चरवा थाना पिपरी व थाना करारी में पंजीकृत आईटी एक्ट में बनाम सुरेंद्र कुमार के खाते से चालीस हजार मनोज कुमार के खाते से दस हजार व रामआसरे के खाते से पच्चीस हजार रुपए एटीएम कार्ड की मदद से पैसे निकालने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार अभियुक्तो को एटीएम कार्ड के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक सागर राजभर पुत्र सुरेश राजभर संदीप राजभर पुत्र संतलाल राजभर अंकित राजभर पुत्र बिनोद राजभर सूरज राजभर पुत्र रामअचल निवासी सुरहन पोखरा थाना दीदारगंज जनपद आजमगढ़ को मुखबिर की सूचना पर रोही चौराहा थाना कोखराज के पास से पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 21 अदद एटीएम कार्ड एक अदद एटीएम क्लोनिंग स्कीमर डिवाइस एक अदद लैपटॉप एक अदद की बोर्ड एक अदद लैपटॉप चार्जर पांच मोबाइल फोन दो अदद मोटरसाइकिल गलत नंबर प्लेट लगा बरमाद कर बरमाद हुए। पकड़े गए आरोपियों के पास मौजूद 21 अदद एटीएम कार्ड स्कीमर डिवाइस व लैपटॉप के बारे में जब पुलिस द्वारा आरोपियों से कड़ाई से पूछ ताछ की गई तो अभियुक्तगणों द्वारा बताया गया कि एटीएम बूथों के आस पास आये हुए लोगो की एटीएम से पैसे निकालने में मदद करने के बहाने से एटीएम स्वाइप कर डुप्लीकेट एटीएम कार्ड बना कर लोगो के खाते से सम्पूर्ण धनराशि निकाल लेते थे पुलिस की पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया गया कि यूपी के कई जिलों में जैसे आजमगढ़ जौनपुर प्रयागराज कौशाम्बी व कई अन्य जनपदों व कई प्रदेशो पंजाब एमपी हरियाणा व अन्य कई राज्यो में घटनाओ को अंजाम दे चुके थे इसी क्रम में थाना कोखराज पुलिस द्वारा आईटी एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त गणों को गिरफ्तार कर कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तो का चालान न्यायालय कर दिया है जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

सम्पादकीय

चीन का नया दांव

चीन ने हाल में जो नया सीमा कानून बनाया है, उसका मकसद कोई छिपा नहीं है। इस कानून के प्रावधानों से पहली नजर में ही यह स्पष्ट हो जाता है कि वह जिस जमीन पर पैर रख देगा, वह उसी की हो जाएगी। यह नया कानून एक जनवरी 2022 से लागू हो जाएगा। गौर करने वाली बात यह है कि चीन ने यह पैंतरा ऐसे वक्त में चला है जब भारत के साथ उसका विवाद चल रहा है और इसे लेकर अक्सर ही तनाव तथा टकराव की स्थितियां बनती रही हैं। चीन का दावा है कि उसने अपनी सीमा से लगते बारह देशों के साथ तो सीमा विवाद सुलझा भी लिए हैं। ऐसे में अब भारत और भूटान ही बचे हैं जिनके साथ विवाद का समाधान निकालना है। गौरतलब है कि भूटान की तुलना में भारत के साथ चीन का सीमा विवाद कहीं ज्यादा पेचीदा और गंभीर है। समय-समय पर होते आए टकरावों ने इसे और बिगाड़ दिया है। ऐसे में नए भूमि कानून का इस्तेमाल चीन कैसे और कब करेगा, इसमें किसी कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

चीन का दावा है कि उसने यह कानून अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए बनाया है। देखा जाए तो इसमें कुछ गलत नहीं है। हर देश को अपनी क्षेत्रीय अंखडता और संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। लेकिन चीन के इस नए कानून के संदर्भ कुछ और इशारा करने वाले हैं। इस कानून में चीन ने सबसे ज्यादा जोर सीमाई इलाकों की रक्षा और इसके लिए वहां निर्माण पर दिया है। इसमें साफ कहा गया है कि जो जमीन चीन के कब्जे में है उसे चीन की जमीन माना जाएगा। देखा जाए तो यह ऐसा कानूनी दांव है जिसकी आड़ में चीन सीमाई इलाकों में विवादित जगहों पर अपने कब्जे को सही ठहराएगा। इसके लिए संघर्ष से भी परहेज नहीं करेगा, जैसी कि उसकी फितरत है। इस कानून का उल्लंघन न हो, यह सुनिश्चित के लिए वह सीमाई इलाकों में अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ाता रहेगा। हाल में उसने ऐसा किया भी है। अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी सीमाओं पर उसकी बढ़ती सैन्य गतिविधियां भारत के लिए चिंता पैदा कर रही हैं। नए भूमि कानून में पड़ोसी देशों के साथ चले आ रहे जमीनी सीमा विवादों को दोस्ताना माहौल में निपटाने की बात भी कही गई है। साथ ही यह भी कि चीन की सेना सीमा पर होने वाली घुसपैठ, अतिक्रमण और उकसावे की कार्रवाइयों से भी निपटेगी। इसका मतलब तो यह हुआ कि उसे भारत और भूटान से खतरा लग रहा है। जबकि हकीकत किसी से छिपी नहीं है। जहां तक सवाल है भारत का, तो भारत ने अपनी तरफ से आगे चल कर कभी ऐसा कोई विवाद नहीं किया जिससे बदले में चीन को कुछ करने का मौका मिलता, बल्कि पिछले साल जून में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमला उसके सैनिकों ने ही किया था। यह तो साफ है कि इस कानून का मकसद सिर्फ भारत को घेरना है। इसकी आड़ में वह भारत से लगती सीमाओं पर अपने निर्माण को वैधता प्रदान करना चाहता है। सवाल यह भी है कि अगर चीन भारत के साथ दोस्ताना तरीके से सीमा विवाद हल करना चाहता है तो उसे रोका किसने है? दोस्ताना माहौल के लिए कानून की नहीं, बल्कि अच्छे पड़ोसी और भाईचारे की भावना की जरूरत होती है, जो कि उसमें न पहले कभी रही, न अब दिख रही है।

हत्या के बाद पलायन और नीतिश सरकार का 'राग कश्मीरी'

निशिकांत ठाकुर

कश्मीर से एक बार फिर मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। पलायन करने वालों की शिकायत स्थानीय लोगों से नहीं, बल्कि उनसे है जो चाहते हैं भारत हिंदू-मुस्लिम के बीच उलझा और बंटा रहे, जिससे आतंकी उनके बीच की दलाली करके अपना उल्लू सीधा करता रहे। अगर ऐसे लोग हमारे बीच के स्लीपर सेल जैसा काम कर रहे हैं तो वह वाकई देशद्रोही हैं। उन्हें अबतक ढूंढा क्यों नहीं जा सका है? यदि ढूंढा नहीं जा सका है तो यह कमी किसकी है? अब तो वह केंद्र शासित प्रदेश है, इसलिए कार्रवाई करने का पूरा अधिकार केंद्र सरकार का ही है। इतनी सशक्त होते हुए भी ऐसी क्या मजबूरी है कि इस पलायन और हत्याओं को रोकने के लिए सरकार कोई कठोर कदम क्यों नहीं उठा रही है। भारत का स्वर्ग कहलाने वाला कश्मीर आज कहां पहुंच गया! हां, यह ठीक है कि दुर्गम बॉर्डर होने के कारण और पड़ोसी पाकिस्तान के कारण यह राज्य शुरू से ही विवादित रहा है, जिसके कारण बार-बार आतंकियों का कहर इस राज्य की जनता झेलती रही है। आखिर कैसे हो इसका स्थायी इलाज, इस पर तो उच्च पद पर बैठे नीति-निर्माता राजनीतिज्ञ और नौकरशाह अपनी नीति तो बना ही रहे होंगे। इसका अंत तो होगा ही, लेकिन कब तक? यह बात किसी की समझ में नहीं आ रही है। कश्मीर में पांच अक्टूबर के बाद से पांच मजदूरों की हत्या हो चुकी है। इनमें बिहार के चार मजदूर और रेहड़ी वाले भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश का एक मुस्लिम कारपेंटर भी मृतकों में शामिल है। इससे पहले एक स्थानीय सिख और हिंदू शिक्षक की हत्या कर दी गई थी। मशहूर दवा कारोबारी कश्मीरी पंडित मक्खनलाल बिंदू को भी आतंकियों ने मार डाला था। लगातार हो रहे टारगेट किलिंग से वहां बाहरी लोगों और मजदूरों में डर का माहौल है। ऐसे में भारी संख्या में जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे मजदूरों के राज्य से पलायन की खबरें आ रही हैं। हालांकि, सामान्य तौर पर सैकड़ों मजदूर सर्दियां शुरू होने और दीपावली के त्योहार पर अपने घर लौटते हैं, लेकिन राज्य में हिंसा बढ़ जाने से वे पहले ही वहां से निकलने की कोशिश में हैं।

जम्मू-कश्मीर में चल रहे कई विकास परियोजनाओं में करीब 90 फीसदी दूसरे राज्यों के मजदूर निर्माण कार्यों में लगे हुए हैं। सिर्फ कश्मीर घाटी में ही पांच लाख दूसरे राज्य के मजदूर हैं। अनुमान के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में बाहर से तीन से चार लाख मजदूर हर साल काम के लिए घाटी जाते हैं। उनमें से अधिकांश सर्दी की शुरुआत से पहले चले जाते हैं, जबकि कुछ साल भर वहीं रह जाते हैं। वहां के हर जिले में बिहार और यूपी के मजदूर ही कार्यरत हैं। लोगों के जेहन में इन हिंसक घटनाओं को लेकर कई सवाल उमड़-घुमड़ रहे हैं। लोग पूछ रहे हैं कि क्या राज्य के हालात फिर से 90 के दशक जैसे हो रहे हैं? क्या घाटी से कश्मीरी पंडितों और राज्य के अल्पसंख्यकों का पलायन फिर शुरू हो जाएगा? जम्मू के कश्मीरी पंडितों के कैंप में रह रहे एक पीड़ित की मानें तो महज दो दिन में घाटी के कश्मीरी पंडित और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 150 परिवारों ने जम्मू में शरण ली, क्योंकि घाटी के हालात 90 के दशक से भी ख़राब होते जा रहे हैं। वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों की आंखों में खौफ़ साफ़ झलकता है। घाटी में सिर्फ़ एक हफ़्ते के दौरान सात लोगों की हत्या कर कर दी गई। कश्मीर में हिंदू और सिख शायद वर्ष 2000 के शुरुआती दशक के बाद सबसे ज़्यादा खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, तब कम से कम दोनों समुदायों के 50 लोगों को अलग-अलग दो नरसंहारों में मार दिया गया था। हाल में कश्मीर में चार ग़ैर मुसलमानों समेत सात आम नागरिकों की हत्या हुई, जिसके बाद यह डर फैलने लगा है कि कहीं घाटी में एक बार फिर 1990 के दशक जैसी स्थिति न पैदा हो जाए। उस दौर में हज़ारों की संख्या में कश्मीरी पंडित घाटी में अपना घर-बार छोड़कर पड़ोसी राज्यों में जा बसे थे। साल 1990 में घाटी में चरमपंथ बढ़ने के बाद केवल 800 कश्मीरी पंडितों के परिवार ही ऐसे थे, जिन्होंने यहां से न जाने का फ़ैसला किया।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कश्मीर से आतंक के खात्मा के लिए पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से एक अलग ही मांग रख दी है। जीतन राम मांझी ने ट्वीट किया कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह कश्मीर को बिहार के लोगों को सौप दें। वे लोग 15 दिनों में स्थिति सुधार देंगे। जम्मू कश्मीर में आतंकियों द्वारा बिहार के मजदूरों की हत्या को लेकर बिहार का विपक्ष राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर है। दरअसल, नीतीश सरकार ने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार की बिहारवासियों पर डबल मार पड़ रही है। बिहार में नौकरी-रोजगार देंगे नहीं, बाहर जाओगे तो मार दिए जाओगे। उन्होंने आगे कहा- नीतीश कुमार जी एक बिहारी की जान की कीमत दो लाख रुपये लगाकर बिना कोई संवेदना प्रकट किए चले जाएंगे। सर्पदंश और ठनका (बज्रपात) से मौत पर बिहार सरकार चार लाख रुपये का मुआवज़ा देती है, लेकिन सरकार की नाकामी के कारण पलायन कर रोजी-रोटी के लिए बाहर गए बिहारी मजदूरों को आतंकियों द्वारा मार देने पर दो लाख रुपये देती है। गजब! 'अन्याय के साथ विनाश' ही

नीतीश-भाजपा सरकार का मूल मंत्र है। तेजस्वी ने इसको लेकर पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक खुला पत्र भी लिखा था। पत्र में उन्होंने धारा-370 को लेकर मुख्यमंत्री पर जमकर हमला बोला था। तेजस्वी ने लिखा था कि- 'अपनी सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए आप बड़ी बनावटी मासूमियत सेइ्र प्रवासी मजदूर इ्र शब्द पर आपत्ति जताते हैं, लेकिन पलायन के ज़हर को गरीब बिहारवासियों के जीवन से हटाने का कोई ईमानदार प्रयास नहीं करते। ऊपर से आपकी सरकार ने तो खूब दावा किया था कि धारा-370 हटने से आतंकवाद का घाटी से अंत हो जाएगा। खूब उछलकूद कर आपकी पार्टी ने बिना सोचे-समझे लिए गए इस कदम का देश के लिए ऐतिहासिक दिन बताकर समर्थन किया था। जब सब कुछ इतना सामान्य हो चुका था तो क्यों आपकी सरकार में बैठे लोग दबी जुबान जम्मू-कश्मीर जाकर रोजगार तलाशने के लिए श्रमिकों की ही आलोचना कर रहे हैं? संभव है कि आपकी सरकार के द्वारा ज़मीनी हकीकत से दूर किए गए दावों के प्रभाव में ही इन श्रमिकों ने जम्मू कश्मीर जाने का मन बनाया हो। इधर, तेजस्वी को जवाब देते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद ने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के द्वारा जो कायराना हरकत की जा रही है, उसको लेकर बिहार और केंद्र सरकार गंभीर है। नीतीश कुमार और मैंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बात की है और सुरक्षा के सभी कदम उठाए जा रहे हैं। गैर कश्मीरियों की सुरक्षा के लिए विशेष कैंप बनाए जा रहे हैं। हम सबको मिलकर इस कायराना हरकत का जवाब देना है।

उन्होंने आगे कहा- जम्मू कश्मीर में धारा-370 के समाप्त होने के बाद आतंकियों की हताशा और बौखलाहट सामने आ रही है। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव को धारा-370 समझने में काफी समय लगेगा। समझ में नहीं आता कि बिहार के नेताओं के मन में मजदूरों के प्रति इतना प्रेम कैसे

> समझ में नहीं आता कि बिहार के नेताओं के मन में मजदूरों के प्रति इतना प्रेम कैसे आज उमड़ आया है। उनके राज्य से पलायन नहीं हो, उनके यहां से पलायन रुके, इसके लिए कोई प्रयास तो किसी भी सरकार द्वारा आज तक किया नहीं गया।

आज उमड़ आया है। उनके राज्य से पलायन नहीं हो, उनके यहां से पलायन रुके, इसके लिए कोई प्रयास तो किसी भी सरकार द्वारा आज तक किया नहीं गया। चाहे लॉकडाउन में पलायन हो या महाराष्ट्र में अपमानित होकर वहां से भागने की बात या अभी शुरू हुए कश्मीर से पलायनष्ठ बिहार की निर्लज्ज और बेशर्म सरकार को इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। होता यह है कि ये नेतागण कुछ हादसा होने के बाद राज्य की जनता का विश्वास जीतने के लिए, उनके मन को भरोसा दिलाने या इस तरह भी कह सकते हैं कि उन्हें ठगने के लिए इस प्रकार का प्रलाप करने लगते हैं जिससे लोगों के मन में यह विश्वास जागे कि उनके लिए सरकार सजग है । लेकिन, दुर्भाग्य तो यह है वह अपने राज्य से पलायन कैसे रोकें, इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई करती नजर नहीं आती। यदि ऐसा हुआ होता हो बिहार में कई उद्योग लग गए होते और लाखों अपमानित प्रवासी अपने राज्य के विकास में योगदान दे रहे होते। लेकिन, आजादी के बाद से आज तक ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। बिहार में रोजगार का परिदृश्य यह है कि सरकार मजदूरों को विकल्प दे पाने में अब तक विफल रही है। पलायन सबसे गरीब लोगों को प्रभावित करता है या फिर कम-से-कम गरीबी और पूर्ण निर्भरता के दलदल को और खतरनाक बना देता है। मार्च में लॉकडाउन के बाद से यह दूसरा मौका है, जब बिहार बड़े पैमाने पर पलायन का सामना कर रहा है। सात महीने के बाद लोग बिहार से फिर एक अनिश्चितता की ओर बढ़ रहे हैं। इसका जवाब है बिहार सरकार के पास?

देश की सुरक्षा के लिए खतरा न बने किसान आंदोलन, समय पर नहीं निकला हल तो राष्ट्रविरोधी तत्व उठा सकते हैं फायदा

आनंद प्रकाश माहेश्वरी

केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों पर काफी बहस हो चुकी है। इससे कई सवाल भी उपजे हैं। मसलन, क्या छोटे और सीमांत किसान ताकतवर कॉरपोरेट जगत के सामने मजबूती से अपनी शर्तें रख सकेंगे? क्या कम पढ़े-लिखे किसान डिजिटल माध्यमों का सही तरीके से इस्तेमाल कर पाएंगे? इसी तरह की कई और उलझनें भी हैं। हालांकि, नए कृषि कानूनों के पक्ष में भी कई दलीलें दी गई हैं। इनमें खासतौर पर किसानों को शोषण से बचाने वाले मसले पर ज्यादा जोर दिया गया है। जैसे कि किसी भी हालात में कॉरपोरेट वर्ल्ड निवेश की आड़ में किसानों को उनकी जमीन से बेदखल नहीं कर सकता। दोनों के बीच कॉन्ट्रैक्ट में इस बात का खास ख्याल रखा जाएगा। इसके बावजूद किसान संगठन कानूनों का विरोध कर रहे हैं। ऐसी अटकलें भी हैं कि नए कानूनों के लागू होने पर मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) का प्रावधान खत्म हो जाएगा। कुछ इलाकों में बड़े किसानों की आमदनी घटने की आशंका जताई जा रही है और नए कानूनों को वापस लेने का सबसे ज्यादा दबाव भी वही बना रहे हैं। यह भी एक अहम पहलू है कि भारत की जीडीपी का तकरीबन 17 फीसदी हिस्सा कृषि और उससे जुड़े सेक्टरों से आता है। यह देश के लगभग 42 फीसदी लोगों को रोजगार भी देता है। लेकिन आज भी ज्यादातर हिस्सों में खेती परंपरागत तरीके से ही होती है। इससे जोखिम की आशंका बराबर बनी रहती है। कहने का मतलब है कि कृषि क्षेत्र में बदलाव समय की मांग है। अब खेती में तकनीक के इस्तेमाल और भूमि सुधार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। फसल की बुआई बाजार में मांग के हिसाब से होनी चाहिए। खेती से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी सुधारना होगा। किसानों को फसल बेचने के लिए अच्छा ट्रांसपोर्ट और भंडारण के लिए अच्छी सुविधाएं देनी होंगी। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी, साथ ही नुकसान का जोखिम भी कम होगा।

बहरहाल, नए कृषि कानूनों से उभरे असंतोष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे आखिर में नुकसान देश का ही होगा। यह भी समझने वाली बात है कि अगर आपको ठोस बदलाव लाना है, तो पहले उससे जुड़े सभी पक्षों का भरोसा जीतना पड़ता है। इसे नजरअंदाज करने का मतलब है, अनचाही मुसीबतों को दावत देना। फिर बात इतनी भी बिगड़ सकती है कि इसका फायदा देश विरोधी ताकतें भी उठा लेंगी। इस वक्त कई बाहरी ताकतें छद्म युद्ध के जरिए देश की आंतरिक सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश भी कर रही हैं। ऐसे में किसी भी असंतोष को लंबा खींचकर हम देश का बुरा चाहने वालों का काम आसान कर रहे हैं। इसका फायदा उठाने के लिए कई तरह स्लीपर सेल सक्रिय हो जाएंगे। गड़े मुर्दों को उखाड़कर उन पर सियासत होने लगेगी। भड़काऊ बयानबाजी से नफरत और हिंसा का माहौल बनाया जाने लगेगा। ऐसी बात नहीं है कि ये सारे डर निराधार हैं। अतीत में जमीन और किसानों से जुड़े कई आंदोलनों का सही तरीके से समाधान नहीं निकाला गया। लिहाजा, देश में नक्सली तत्व पनप गए और वह समस्या जस की तस है। आतंकी संगठन भी इसका फायदा उठाते हैं और गरीब या फिर कम पढ़े-लिखे लोगों को बहला-फुसलाकर अपने साथ मिला लेते हैं। नौजवानों को सब्जबाग दिखाकर उनकी जड़ें मुख्यधारा से काट देते हैं। यहीं से हमारी असल चिंता पैदा होती है और एक सामान्य सा दिखने वाला आंदोलन सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण हो जाता है। जांच एजेंसियों या फिर मीडिया ने कई ऐसे मामलों की रिपोर्ट दी है, जिनसे पता चलता है कि आतंकी संगठन स्थानीय लोगों का सहारा लेकर देश में घुसते हैं और वारदात को अंजाम देते हैं। फिर चाहे वह खुली सीमा से घुसपैठ हो, या फिर सुरंग से। ड्रोन से हथियार गिराए जाने जैसे मामलों में भी लोकल लोगों की मिलीभगत दिखती है। कई मामलों में सोशल मीडिया का सहारा लेकर भी लोगों को फंसाया जाता है। उन्हें बरगलाकर गलत काम करने के लिए उकसाया जाता है। पहली नजर में ऐसा लगता है कि गलत काम उन्होंने अपनी मर्जी से किया है, लेकिन आतंकी घटनाओं की जांच से पता चला है कि अधिकतर मामलों में बाहरी ताकतों का हाथ होता है। वे लोग स्थानीय लोगों को मोहरा बस इसलिए बनाते हैं, ताकि उस मामले में अपना हाथ होने की बात नकार सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व युद्ध में 37 में से सिर्फ 9 देशों की बाहरी हमले की वजह से हार हुई। बाकी सभी देश अपनी कमजोर आंतरिक सुरक्षा के चलते पस्त हुए। छद्म युद्ध जैसे हालात में हरेक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। हर नागरिक बिना वर्दी का सिपाही होता है। इसी तरह हर सिपाही वर्दी में एक नागरिक होता है। इसलिए देश की भलाई के लिए आपसी अविश्वास और असंतोष की खाई को पाटकर मिलजुल काम करना होगा। हम इस बात को जितनी जल्दी समझ लें, उतना ही अच्छा है। नहीं तो, हम सभी का नुकसान होगा।

उन लाखों योद्धाओं को सलाम जिन्होंने 100 करोड़ का लक्ष्य दिलवाया

मधुरेंद्र सिन्हा

इसी साल जनवरी में जो अभियान शुरू हुआ वह अक्टूबर के मध्य में आते-आते सौ करोड़ के जादुई आंकड़े तक जा पहुंचा है। अगले साल तक यह संख्या हमारी पूरी आबादी को कवर कर लेगी। भारत ने वह कर दिखाया जो दुनिया के किसी भी देश के लिए एक सपना है। 100 करोड़ लोगों को कोरोना का टीका लगाकर हमने एक कीर्तिमान बनाया है। पढ़िए मधुरेंद्र सिन्हा के विचार। भारत ने वह कर दिखाया जो दुनिया के किसी भी देश के लिए एक सपना है। 100 करोड़ लोगों को कोरोना का टीका लगाकर हमने एक कीर्तिमान बनाया है। यह संख्या यूरोप-अमेरिका और जापान की कुल आबादी से भी ज्यादा है। इसे आप भारत की जनता की प्रतिबद्धता कहें या चाहत, बात साफ है कि सब ने मिलकर यह बीड़ा उठाया। और फिर दुनिया ने देखा कि भारत ने एक कमाल कर दिखाया। दूसरी ओर विघन्संतोषी इस बात की चर्चा तक कर रहे थे कि भारत में यह संभव नहीं है। कई भारतीय विद्वान भी इसी तरह की बातें कर रहे थे लेकिन देश की करोड़ों जनता ने सभी को करारा जवाब दिया। जनवरी में जो अभियान शुरू हुआ वह अक्टूबर के मध्य में आते-आते इस जादुई आंकड़े तक जा पहुंचा है और यह सारी आबादी तक अगले साल तक पहुंच जाएगा। लेकिन जिन लोगों ने इस महाअभियान में जी-जान से चुपचाप शिरकत की बिना किसी पब्लिसिटी की चाहत के इसे इस अंजाम तक पहुंचाया, उनमें लाखों स्वास्थ्यकर्मी, स्कूल शिक्षक और भारत के हजारों गांवों में रहने वाली आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं भी हैं जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान भी अपना स्वास्थ्य कार्यक्रम जारी रखा। हजारों की मौत इस घातक बीमारी से हुई लेकिन उन लोगों ने हिम्मत नहीं हारी। यह सफलता उनके नाम है। यहां आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बारे में चर्चा किए बगैर बात पूरी नहीं होगी। ये देश के कोने-कोने में स्वास्थ्य, पोषण और मातृत्व के कार्यों में अपना काफी समय लगाती हैं। इनकी कुल तादाद 8 लाख से जरा ही ज्यादा है और ये तीन-चार हजार रुपए औसतन प्रति माह के मानदेय पर काम करती हैं।

गांव-गांव जाना और वहां लोगों में संदेश फैलाना और फिर उन्हें टीका केंद्रों तक लाने का बीड़ा उन्होंने उठाया। उनके महती प्रयासों से इस अभियान का गांव-गांव में प्रसार संभव हुआ। अगर इन लोगों ने प्रतिबद्धता नहीं दिखाई होती। तो सरकारी तंत्र असहाय रह जाता। सबसे बड़ी बात है कि इन लोगों ने उस मिथ्या प्रचार को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाई जिसमें कोरोना के टीके को लेकर तमाम तरह की निगेटिव बातें कही जा रही थीं। लेकिन इन लाखों आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने समझदारी और प्रेम भाव से लोगों को समझाया-बुझाया, आश्वस्त किया। इन कर्मवीरों ने कोई कसर नहीं छोड़ी और अपनी जान पर खेल गईं।

यह कोई आसान काम नहीं था क्योंकि देश के कई राजनीतिक दल और कई धार्मिक गुट भी अपने क्षुद्र स्वार्थ में आकर इन टीकों के खिलाफ जहर उगल रहे थे। विदेशी दवा कंपनियां भी इसी अभियान में लगी हुई थीं कि किसी तरह भारत बने में टीकों को लोग रिजेक्ट कर दें ताकि उनके महंगे टीके उनकी शर्तों पर बिकें। दुनिया के कई देशों को टीका बनाने वाली विदेशी कंपनियों ने घुटने टिका दिए। कई निगेटिव रिपोर्ट दुनिया के नामी-गिरामी अखबारों में छपे ताकि भारत के टीका उत्पादन और उसे लगाने के कार्यक्रम को जबर्दस्त धक्का लगे और विदेशों में बने पांच गुने से भी ज्यादा महंगे टीके बेचे जा सकें। उनकी यह मंशा पूरी न हो सकी क्योंकि हमारे करोड़ों स्वास्थ्यकर्मियों और समझदार जनता ने उनके फरेब का जाल तोड़ दिया और भारत ने आज एक अभूतपूर्व उपलब्धि पा ली। कोविड टास्क फोर्स के एक महत्वपूर्ण सदस्य डॉक्टर एनके अरोड़ा ने कहा कि पोलियो के विरुद्ध सफल लड़ाई ने हमें इस अभियान को हाथ में लेने और उसे पूरा करने का मंत्र दिया था। उन्होंने इस युद्ध के योद्धाओं को बधाई दी और कहा कि उनके प्रयासों से ही यह संभव हुआ क्योंकि इस बार यात्रा न केवल कठिन थी बल्कि इसमें जान का खतरा भी था। सच तो है कि लाखों लोगों की जान भी चली गई। लेकिन अपनी हिम्मत से उन सभी ने इसे सफल बनाया।

डॉक्टर अरोड़ा ने बताया कि भारत बच्चों के लिए टीके बनाने में मामले में दुनिया में अव्वल था लेकिन इस तरह के टीके बनाने के बारे में उस पर बहुत संदेह था लेकिन उसने पिछले दो दशकों में उसने बड़ी छलांग लगाई और इसका टीका भी बना दिया। दरअसल इन वर्षों में भारत में वैज्ञानिक रिसर्च के लिए बहुत बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर दिया। पिछले साल मार्च में केंद्र सरकार ने बहुत बड़ी राशि टीके के विकास के लिए जारी की थी। इस बड़ी राशि से ने केवल रिसर्च और निर्माण में मदद मिली बल्कि इंटरनेशनल पार्टनरों और लोकल मैन्युफैक्टरर्स तथा स्थानीय लैब से करार करने में आसानी हुई। इसका ही नतीजा था कि भारत ने महामारी शुरू होने के सिर्फ दस महीनों के कम समय में देसी टीका तैयार कर लिया। एक एक्सपर्ट पैनल भी बनाया गया जिसने टीके के दुष्प्रभाव की निगरानी की और सही समय पर सही सुझाव दिए। इस पैनल में तमाम तरह के डॉक्टर, शोधकर्ता, वैज्ञानिक थे जिन्होंने समय-समय पर अपने अनमोल सुझाव दिये। इनके सुझावों से ही सौ करोड़ की आबादी में नगण्य संख्या में दुष्प्रभाव देखने को मिले। टीके लेने वाले हर व्यक्ति को टीका केंद्र में रोके रखने के पीछे मकसद यही था कि किसी भी तरह के दुष्भाव का पता तुरंत लगाया जा सके। इस अभियान की एक और बड़ी बात यह थी इसमें पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप काम आया। दोनों पक्षों ने मिलकर टीकाकरण के इस महती कार्य को सफल बनाने में मदद की। प्राइवेट कंपनियों ने न केवल टीके का विकास किया बल्कि उसे लगाने बीमारी के इलाज में भी हाथ बंटाया। दूसरी ओर डब्लूएचओ और यूनिसेफ जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भी बड़ा योगदान किया। डब्लूएचओ ने टेकिन्कल और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट दिया जिस वजह से टीके को कोल्ड चेन सप्लाई सिस्टम के तहत देश के सभी हिस्सों में ले जाना संभव हुआ। इस देश में 94 करोड़ वयस्क हैं और उनके लिए कुल 190 करोड़ टीके की डोज चाहिए ताकि पूरे देश को इम्युनाइज किया जा सके। जहां तक इतनी तादाद में टीकों की बात है तो वर्तमान उत्पादन रफ्तार से हम यह लक्ष्य अगले साल के मध्य तक पा लेंगे। लेकिन वो लोग जो टीके न लेने पर अड़े हुए हैं उन तक पहंचना कठिन होगा। इससे वह सुरक्षा चक्र नहीं बन पाएगा जो इस दुष्कर बीमारी में जरूरी है। फिर हमारी उम्मीदें उन लाखों स्कूल शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं पर टिकी हुई है। उन्होंने ही यहां तक का रास्ता तय करने में निस्वार्थ भाव से जान पर खेलकर हमारी मदद की है। उनमें से कई तो इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन आज वह वक्त है कि हमें और देशवासियों को उनका शुक्रगुजार होना चाहिए।

आने वाली महामारियों के लिए तैयार हैं हम

मनसुख मांडविया

कोविड-19 महामारी ने हमारे सामने जटिल चुनौतियां खड़ी कीं। ऐसे समय में आवश्यकता महसूस की गई एक ऐसी व्यवस्था की, जिससे देशभर में स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण तैयार किया जाए और जिसके माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ किया जा सके। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन की शुरुआत की है, जिसकी राशि पांच साल के लिए 64,180 करोड़ रुपये की है। मिशन के अंतर्गत सभी स्तर पर स्वास्थ्य संस्थानों का, क्षमताओं का निर्माण किया जाएगा। देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही राज्यों को वर्तमान और भविष्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने में सक्षम बनाया जाएगा। मिशन को सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमताओं का निर्माण करने के लिए तैयार किया जाएगा ताकि नागरिकों को सभी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। मिशन में जिला स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दिया गया है। विशेष रूप से कमजोर वर्ग से आने वाली महिलाओं और बच्चों पर। जिलों को मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वहां निगरानी और आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक क्षमताएं हों। इसी क्रम में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ध्यान देने में समक्ष होंगे। मिशन के अंतर्गत तीन पूर्वोत्तर और प्रमुखता वाले राज्यों के ग्रामीण क्षेत्र के 17,788 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को बुनियादी सहायता प्रदान की जाएगी।शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी, अरबन लोकल बॉडीज) के सहयोग से 11,044 शहरी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (शहरी-एचडब्लूसी) के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के विकेंद्रीकृत वितरण को सक्षम करने की योजना बनाई गई है। ये केंद्र यूएलबी या अरबन लोकल बॉडीज द्वारा चिह्नित स्लम और संवेदनशील क्षेत्रों के 15,000 से 20,000 की आबादी को सेवाएं देंगे। विशेष सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए समुदायों के नजदीक ही नए शहरी पॉलिक्लिनिक भी बनाए जाएंगे। योजना में 3,382 ब्लॉक सार्वजनिक हेल्थ यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव भी है। जिला और उप-जिला स्तर पर समग्र डायगनेस्टिक और सर्विलांस को विकसित और मजबूत करने के लिए 730 जिलों में एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला (आईपीएचएल) स्थापित करने के लिए निवेश किया जा रहा है। महामारी के दौरान हमने देखा कि अस्पतालों में संक्रामक रोगों के लिए अलग से कोई जगह तय नहीं थी। इससे आवश्यक सेवाओं पर गंभीर प्रभाव महसूस किया गया। इसे देखते हुए जनसंख्या के आधार पर 50-100 बेड के 602 क्रिटिकल केयर सेंटर ब्लॉक और जिला स्तर पर स्थापित किए जाएंगे। पांच लाख से कम आबादी के जिलों में रेफरल लिंक स्थापित करके उन्हें सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त मिशन के अंतर्गत 12 केंद्रीय अस्पतालों/संस्थानों में 150 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक तैयार किए गए हैं, जो राज्यों को तकनीकी सहायता पहुंचाने में संरक्षक संस्थान के रूप में काम करेंगे। कोविड-19 से निपटने में देश के उत्कृष्ट केंद्रीय संस्थानों ने न केवल चिकित्सा पेशेवरों का विश्वास बनाने के लिए परामर्श प्रदान किए, बल्कि टेरिटरी स्तर की स्वास्थ्य सेवा वितरण में भी सक्रिय भूमिका निभाई। इन्हें संक्रामक रोगों से निपटने के लिए मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके लिए 12 केंद्रीय संस्थानों में 150 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक स्थापित किए जाएंगे। जिला स्वास्थ्य सुविधाओं पर आईसीयू और ऑक्सिजन सपोर्ट के साथ 37,000 नए क्रिटिकल केयर बेड उपलब्ध होंगे, जिससे आने वाले पांच वर्षों में सभी जिलों को क्रिटिकल केयर प्रदान करने में आत्मनिर्भर होने का हमारा सपना साकार हो जाएगा। मिशन के अंतर्गत देश भर में 4000 से अधिक प्रयोगशालाओं और व्यापक निगरानी प्रणाली के साथ एक आत्मनिर्भर भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

अच्छी तबीयत और फॉर्म में होने के बाद भी क्विंटन डिकॉक ने क्यों किया वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने से इनकार?

दुबई (एजेंसी)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद के खिलाफ मैदान पर खिलाड़ियों के घुटने टेकने के निर्देश के बाद दक्षिण अफ्रीकाई टीम में तनाव पैदा हो गया है। दरअसल इस फैसले को टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंडन डिकॉक के आज वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप का अहम मुकाबला न खेलने से जोड़ कर देखा जा रहा है।

समझा जाता है कि डिकॉक ना तो चोटिल हैं और ना ही आउट ऑफ फॉर्म हैं, बावजूद इसके वे अपनी मर्जी से प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं हुए हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा ने बेशक इसके पीछे निजी कारण का हवाला दिया हो, लेकिन समझा जाता है कि सीएसए के रंगभेद के खिलाफ सभी खिलाड़ियों के मैदान पर घुटने टेकने के निर्देश के बाद डिकॉक ने मैच न खेलने का फैसला लिया है, हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। सीएसए ने मंगलवार को कहा, ''हम सर्वसम्मति से एक निर्देश जारी करने पर सहमत हुए हैं, जो मैच शुरू होने से पहले मैदान पर रंगभेद के खिलाफ सभी खिलाड़ियों के घुटने टेकने से संबंधित है।'' यह समझा जाता है कि बोर्ड ने सोमवार की रात को यह निर्देश लिया था और मंगलवार को इसकी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि डिकॉक ने इस साल सेंट लूसिया में वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान 12 जून को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में घुटने न टेकने के पीछे की वजह बताने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था, ''यह यह मेरा निजी मसला है। मैं इसे अपने तक सीमित रखूंगा। यह मेरी व्यक्तिगत राय है। हर किसी का अपना-अपना फैसला होता है, किसी को कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मैं चीजों को इसी तरह देखता हूं।वहीं 'ब्लैक लाइव्स मैटर'' आंदोलन की शुरुआत के वक्त दक्षिण अफ्रीकाई टीम ने भी घुटनों पर बैठने से इनकार कर दिया था। खुद टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा था कि वह इस आंदोलन का समर्थन करते हैं, लेकिन वह हर मैच में घुटनों पर बैठकर इसका दिखावा नहीं करना चाहते, पर अब दक्षिण अफ्रीकाई क्रिकेट बोर्ड ने इसका समर्थन करने का ऐलान किया है। इसके तहत अब खिलाड़ी हर मैच से पहले घुटने पर बैठेंगे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी भी रंगभेद के खिलाफ मैच से पहले घुटनों पर बैठे थे।

रोमांचक मैच में 5 विकेट से जीता पाकिस्तान, कीवी टीम को हराकर लिया 'बदला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएई और ओमान में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप में मंगलवार को पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को एक रोमांचक मैच में पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में जीत दर्ज करते ही पाकिस्तान ने कीवी टीम से बदला भी ले लिया है, क्योंकि हाल ही में न्यूजीलैंड पाकिस्तान दौरे से ऐन मौके पर पीछे हट गई थी। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले इस मैच में कीवी टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित ओवरों में 134 रनों का स्कोर बनाया, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान के 33 और शोएब मलिक-आसिफ अली के बीच छठे विकेट के लिए हुई 48 रनों की नाबाद पारी के दम पर यह लक्ष्य पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। अपनी शानदार गेंदबाजी के दम पर चार कीवी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाने वाले हारिस रऊफ मैन ऑफ द मैच चुने गए।

न्यूजीलैंड टीम को लगा बड़ा झटका, स्टार तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन विलियमसन की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड टीम को यूएई और ओमान में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है,

जहां टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोट की वजह से इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फर्ग्यूसन को सेकेंड लेवल का मसल टियर हुआ है। इस बात की जानकारी टीम के कप्तान विलियमसन ने पाक के खिलाफ टॉस के समय की। उनकी जगह एडम मिल्ने को कीवी टीम में शामिल किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अपने बयान में कहा कि 30 साल के फर्ग्यूसन को सोमवार रात ट्रेनिंग के बाद दाईं पिंडली में जकड़न महसूस हुई। इसके बाद एमआरआई स्कैन कराया गया जिसमें ग्रेड टू चोट का खुलासा हुआ, जिससे उबरने में तीन से चार हफ्ते का समय लगेगा। टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने बयान में कहा, ''टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ऐसा होना लॉकी के लिए निराशाजनक है और पूरी टीम फिलहाल उनके लिए निराश है। बता दें कि न्यूजीलैंड को अगले 13 दिन में पांच पूल मैच खेलने हैं और कोच स्टीड ने कहा कि ऐसे में उनके पास फर्ग्यूसन को टूर्नामेंट से बाहर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। स्टीड ने कहा, ''वह हमारी टी-20 टीम का अहम हिस्सा है और काफी अच्छी फॉर्म में था, इसलिए इस समय उसे गंवाना बड़ा झटका है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि हम भाग्यशाली है कि एडम मिल्ने के रूप में हमारे पास अच्छा ऑप्शन है, जो पिछले दो हफ्ते से टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं।'' मिल्ने यूएई में ही मौजूद हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड ने टीम में उन्हें चोट की स्थिति में कवर के रूप में शामिल किया था।

आकाश चोपड़ा ने समझाया सेमीफाइनल में पहुंचने का गणित

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की जीत से होगी टीम इंडिया की बल्ले बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2021 का आगाज टीम इंडिया के लिए अच्छा नहीं हुआ है। टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में विराट कोहली की सेना को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अब टीम इंडिया को अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर 31 अक्टूबर को उतरना है, लेकिन उससे पहले जब कीवी टीम का सामना पाकिस्तान से आज की रात होना है। इस मुकाबले में भारतीय फैन्स अपने पड़ोसी मुल्क से पिछला मैच बुरी तरह हारने के बावजूद उनकी ही जीत की दुआ मांगते नजर आएंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने बताया है कि कैसे टीम इंडिया सेमीफाइनल में अपनी जगह बना सकती है और कैसे पाकिस्तान की जीत से होगा टीम इंडिया को फायदा। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश ने कहा, 'मुझे लगता है कि पाकिस्तान भारत

की मदद कर सकता है अगर वह न्यूजीलैंड को हरा देता है तो। लेकिन, अगर इसका उल्टा हो जाता है, न्यूजीलैंड पाकिस्तान को हरा देती है तो यह तीन तरफा टाई हो जाएगा, नेट रनरेट की कहानी तब आएगी जब भारत न्यूजीलैंड को हरा देगा और यह सोच लेगा कि तीनों टीमों अपने बाकी सभी मैच जीत लेंगी। अगर पाकिस्तान न्यूजीलैंड को हरा देता है तो अफगानिस्तान की टीम बीच में रह जाएगी और स्कॉटलैंड और नामीबिया टीम जो क्वालीफायर से आई हैं। इसके बाद पाकिस्तान के जरिए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाइए और आनंद लीजिए।

आकाश ने पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच को लेकर कहा, 'यह एक ईर्ष्या वाला मैच होगा क्योंकि पाकिस्तान ने खुद को अपमानित महसूस किया था जब न्यूजीलैंड की टीम वहां जाकर बिना किसी कारण के लौट आई थी। तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान के पास खुद को साबित करना का मौका होगा। पाकिस्तान बेहतरीन लय में मौजूद है। उनके टॉप तीन खिलाड़ी शानदार खेल दिखा रहे हैं और यहां की कंडिशंस हफीज और शोएब को काफी सूट करेगी। वह बढ़िया गेंदबाजी कर रहे हैं। टीम काफी मजबूत दिख रही है।

पाकिस्तान को भारत से हारना जरूरी था पर आज न्यूजीलैंड को हराना मजबूरी

विनोद कांबली ने बताया इसके पीछे का राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में भारत पर पहले मैच में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तानी टीम टी-20 वर्ल्ड कप के दूसरे मैच में इस समय न्यूजीलैंड से मैच खेल रही है। इस मैच में टीम का इरादा बदला चुकता करने का होगा, क्योंकि न्यूजीलैंड हाल ही में पाकिस्तान दौरे से ऐन मौके पर पीछे हट गई थी। आज के इस मुकाबले को लेकर जो सबसे अहम बात है, वह यह है कि यह मैच टीम इंडिया भी निगाहें टिकाकर देखने वाली है। पाकिस्तान और भारत दोनों अगर न्यूजीलैंड को हरा देते हैं और फिर दोनों टीमें अफगानिस्तान, नामीबिया और स्कॉटलैंड के खिलाफ जीत हासिल करती हैं, तो पाकिस्तान 10 प्वॉइंट्स के साथ टॉप पर और भारत आठ प्वॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहेगा। ऐसे में दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली नें भी इसी संदर्भ में सोशल मीडिया हैंडल से ख्दद ऐप पर लिखा, ''पाकिस्तान के लिए हिंदुस्तान से हारना जरूरी था, तो आज न्यूजीलैंड को हराना मजबूरी... पाकिस्तान का हर फैन चाहता है कि पाकिस्तान में खेलने से मना करने वाली कीवी टीम को पाक खिलाड़ी धो कर रख दें... वहीं भारतीय टीम की नजरें भी कीवी टीम पर लगी होंगी। बता दें कि पाकिस्तान पहले ही भारत को 10 विकेट से बड़ी हार दे चुका है। ऐसे में टूर्नामेंट में अब आगे चलकर रन रेट का पेंच ना अटक जाए, इसलिए भारत उम्मीद करेगा कि पाकिस्तान न्यूजीलैंड को हरा दे। क्योंकि कीवी टीम आज अगर जीत गई तो आगे के सफर में भारत को उसे पीछे धकेलने के लिए रन रेट के चक्कर में उलझना पड़ सकता है।

सुनील गावस्कर ने किया एक्सप्लेन कैसे शाहीन अफरीदी के खिलाफ रन बनाने में कामयाब हुए विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के सामने भले ही रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों ने अहम मुकाबले में आसानी से घुटने टेक दिए थे, लेकिन कप्तान विराट कोहली ने बेहद बहादुरी के साथ इस तेज फास्ट बॉलर की हवा में लहराती हुई गेंदों का बखूरी सामना किया। कोहली पूरे मैच में शाहीन और अन्य पाकिस्तानी गेंदबाजों के आगे टिके रहे और 57 रन बनाकर आउट हुए। विराट की इस कप्तानी पारी की भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने जमकर तारीफ की है और उन्होंने बताया कैसे भारतीय कप्तान ने अफरीदी की स्विंग को काटते हुए उनके खिलाफ

रन बटोरे। 'स्टार स्पोर्ट्स' के शो पर बातचीत करते हुए गावस्कर ने कहा, 'शाहीन जिस तरह से गेंदबाजी कर रहे थे, वह बहुत ही शानदार तरीके से गेंद को मिक्स कर रहे थे, वह दाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ एंगल के तहत बॉल को अंदर की तरफ लेकर आ रहे थे, हवा में ज्यादा कुछ नहीं थी क्योंकि यूएई में आपको उतनी मदद नहीं मिलती है। इस वजह से कोहली के लिए महत्वपूर्ण था कि वह क्रीज से आगे खड़े रहे ताकि वह शाहीन को मिलने वाली स्विंग को काट सकें और इसी तरीके से वह अफरीदी के खिलाफ रन बनाने में सफल रहे।' कोहली भारत की तरफ से पाकिस्तानी गेंदबाजों का डटकर सामना करने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे और उन्होंने 49 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कोहली की इस इनिंग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'यह एक लाजवाब पारी थी क्योंकि भारत ने अपने दोनों ही सलामी बल्लेबाजों को पावरप्ले में ही खो दिया था तो कोहली के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी थी क्योंकि उनको इनिंग को पेस करना था उन्होंने पारी को रिपेयर करने का सोचा और टीम को उस टोटल तक लेकर गए जो उनको डिफेंड करने लायक लगा। तो उन्होंने जिस तरह से अपनी इनिंग को पेस किया, जिस तरह से उन्होंने अपने शॉट्स का चुनाव किया और शाहीन अफरीदी की गेंद पर लगाया वो सिक्स। यकीनन लाजवाब टैलेंट।

भाजपा ने किया भदोही की जनता का अपमान : डा.नीलम

भदोही। जनपद में कांग्रेस की कमान संभाल चुकी और मौजूदा समय में सपा नेत्री डा. नीलम मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आयोजन पर सवालिया निशान खड़ा किया है। सपा नेत्री नीलम मिश्रा ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च करके और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल कर सभा को सफल बनाने की कोशिश की गई, जिसमें भारी संख्या में भीड़ को एकत्र किया गया, लेकिन सीएम के जाते ही वहां का नजारा बदल गया। बुलाई गई भीड़ को खाना और पानी फेंककर दिया गया।उन्होंने कहा कि इसका वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें खाने की सामग्री फेंकी जा रही है।

गोपीगंज के प्राचीन दुर्गा मंदिर में चल रहा शतचंडी महायज्ञ

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। नगर स्थित प्राचीन दुर्गा मन्दिर में चल रहे शतचण्डी महायज्ञ महोत्सव में दर्शन पूजन और यज्ञ मंडल की परिक्रमा करने वालों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यज्ञ के छठे दिन मंगलवार को विधान पूर्वक पूजन और हवन के उपरांत भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

यज्ञ को पूर्ण कराने के लिए बनारस से आये वैदिक आचायी सहित यज्ञ आचार्य पंडित राकेश भार्गव के सानिध्य में शुरु हुआ है। यज्ञ आचार्य राकेश भार्गव ने बताया वेदों में यज्ञ के संबंध में विस्तार से वर्णन है। यज्ञ को भगवान वेदनारायण का ही स्वरूप माना गया है। गीता में यज्ञ के संबंध में स्पष्ट उल्लेख है यज्ञ से पानी बरसता है जिससे धन धान्य की पैदावार होकर श्रृष्टी का पालन पोषण होता है।उन्होंने कहा कि कहा कि यज्ञ में जो औषधियां समिधा के रूप में डाली जाती है उनसे मानव कल्याण ही नहीं होता बल्कि पर्यावरण प्रकृति का भी भला होता है,यज्ञ नारायण मंडप की परिक्रमा का भी बड़ा पुण्य लाभ होता है।

बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर पीपा पुल बनाने मे होगा बिलम्ब

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। क्षेत्र के रामपुर घाट पर पीपा पुल बनाने मे इस बार बिलम्ब हो सकता है, इसका कारण बन रहा है गंगा का जलस्तर जो घटने के बजाय बढ़ रहा हैत् बता दें कि 23 अक्टूबर को शुरु हुई पुल बनाने की कवायद फिलहाल रोक दी गई है।

गंगा घाट पर जनपद के रामपुर गंगा घाट के साथ डेगुरपुर व सीतामढ़ी मे पीपा पुल से कार्तिक पूर्णिमा के पूर्व ही आवागमन शुरु हो जाता रहा,इस बार यह संभव नहीं लग रहा हैत्इसका कारण गंगा के जलस्तर में बढ़ा.व बताया जा रहा हैत्कार्तिक पूर्णिमा पर आवागमन

शुरु करने के लिए लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार द्वारा पिछले दिनों काम शुरु कराया गया था लेकिन गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही बढोत्तरी के चलते पुल निर्माण की कवायद फिलहाल बंद कर दी गई है,पुल निर्माण का कार्य जल स्तर कम होने के बाद ही शुरु हो पाएगा तब तक आवागमन के लिए नाव व स्टीमर का का सहारा लेना पड़ेगात् मेठ राम दुलार ने बताया कि 23 अक्टूबर से पुल निर्माण का काम शुरु किया गया था जो स्थगित कर दिया गया है।

गोपीगंज नगर पालिका के वार्ड 24 में नहीं हो रहा साफ सफाई

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। नगरपालिका के लाख दावे के बावजूद नगर की गलियों में गंदगी बेशुमार है। बावजूद इसके प्रति माह कूड़ा निस्तारण और नगर की साफ सफाई के लिए लाखों रुपए खर्च हो रहे हैं। नगर को स्वच्छ बताने वाली नगर पालिका सफाई कर्मियों की लापरवाही के चलते नगर के अधिकांश सड़कों और गलियों पर दिनभर कूड़े बिखरे नजर आते हैं। ऐसा ही नजारा नगर पालिका के वार्ड 24 दुर्गा मंदिर गली का है, जहां पर शतचंडी यज्ञ आयोजित है। और मंदिर से मंत्रों की गूंज सुनाई दे रही है। वहीं आने जाने वाले राहगीरों और दर्शनार्थी भक्तों को कूड़े से उठ रही दुर्गंध और गंदगी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों द्वारा बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद भी इस गली में कूड़े का

अंबार लगा रहता है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मंदिर परिसर और गली में समुचित साफ-सफाई की व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

धारवाड़ में तीन दिनों तक चलेगी आरएसएस की बैठक

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (एए) की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक 28 अक्टूबर से कर्नाटक के धारवाड़ जिले में होगी। इस बैठक में हाल ही में बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरूद्ध हिंसा की घटनाओं को लेकर चर्चा होगी। इसके साथ-साथ इस मुद्दे पर सर्वसम्मति से निणन्य होने पर प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने धारवाड़ ने मंगलवार को बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए कहा 'पिछले कुछ समय से बांग्लादेश में हिन्दुओं पर निरंतर हमले हुए हैं, हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। इन घटनाओं की दुनियाभर में निंदा हुई है। कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर चर्चा होगी, सर्वसम्मत निणन्य होने पर प्रस्ताव भी पारित होने की संभावना है। आंबेकर ने कहा कि वर्ष 1925 में संघ की स्थापना हुई थी और 2025 में संघ के 100 वर्ष पूरे होने वाले हैं, ऐसे में संघ के कार्य विस्तार की दृष्टि से विचार किया गया था और तीन वर्ष की योजना पर कार्य चल रहा है तथा इस योजना पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा होगी। वहीं, दिल्ली में संघ के एक पदाधिकारी ने बताया कि 28 से 30 अक्टूबर तक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी परिषद की बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित वरिष्ठ प्रचारक, देश भर से करीब 350 प्रचारक एवं पदाधिकारी तथा कुछ चुनिंदा अनुषंगी संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

उन्होंने बताया, 'हर वर्ष मार्च में संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठक होती है जिसमें लिये गए निणन्यों और तय किए गए कार्यक्रमों की छह महीने बाद अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में समीक्षा की जाती है। समसामयिक विषयों पर चर्चा के अलावा संगठन एवं शाखाओं के विस्तार तथा प्रशिक्षण कार्यों का लेखाजोखा होगा और आगे के कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।' आंबेकर ने कहा कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए जुलाई महीने की बैठक (प्रांत प्रचारक बैठक) में कार्यकर्ताओं के विशेष प्रशिक्षण पर विचार हुआ था और उसके बाद देशभर में 1.5 लाख से अधिक स्थानों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हो चुका है तथा 10 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि आशा है कि तीसरी लहर न हो, लेकिन फिर भी परिस्थिति की समीक्षा के साथ तैयारी को लेकर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकारी मंडल में श्री गुरु तेगबहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा होगी।

29 नवंबर से शुरू हो सकता है संसद का शीतकालीन सत्र, चुनाव से पहले सरकार के पास बड़ा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है। अगले साल उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव है। इसके मद्देनजर चुनाव से पहले सत्र सरकार और विपक्ष दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। 29 नवंबर से 23 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र आयोजित होने की संभावना है।समाचार एजेंसी मुताबिक संसद का शीतकालीन सत्र नवंबर के चौथे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है और इस दौरान कोविड.19 प्रोटोकाल का सख्ती से पालन किया जाएगा। बताया गया कि सत्र क्रिसमस से पहले समाप्त हो जाएगा और इस दौरान लगभग 20 दिन सत्र आयोजित होने की संभावना है। गौरतलब है कि अगले साल उत्तरप्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके मद्देनजर भी शीतकालीन सत्र बेहद अहम है। सत्र 29 नवंबर से शुरू हो सकता है और 23 दिसंबर के आसपास समाप्त हो सकता है।

शीतकालीन सत्र सरकार और विपक्ष दोनों के लिए काफी अहम है। इस वक्त विपक्ष के पास महंगाईए ईंधन की कीमतों में वृद्धिए खाद्य तेल की कीमतों में वृद्धिए कश्मीर में नागरिकों पर हालिया हमलों और किसान समूहों द्वारा जारी विरोध प्रदर्शन जैसे मुद्दे हैंए जिनके जरिए वो संसद में सरकार को घेरने की तैयारी करेगी तो दूसरी तरफ सरकार चुनाव से पहले इस सत्र में कुछ फैसले लेकर आम जनता को फौरी राहत दे सकती है। राज्यसभा और लोकसभा सत्र एक साथ आयोजित किए जाएंगे लेकिन सदस्यों को शारीरिक दूरी के मानदंडों का पालन करना होगा। पहले कुछ सत्र अलग.अलग समय पर आयोजित किए जा सकते हैंए ताकि संसद परिसर में ज्यादा लोगों की आवाजाही ना हो सके। शीतकालीन सत्र के दौरान सांसदों को हर समय मास्क पहनना आवश्यक होगा और उन्हें कोविड .19 परीक्षण से गुजरने के लिए कहा जा सकता है।

राम जन्मभूमि केस के वकील की वापस ली गई सुरक्षा पर पुनर्विचार करे दिल्ली पुलिस रू हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में राम जन्मभूमि मामले से जुड़े वकील की निजी सुरक्षा वापस लेने के निणन्य पर पुनर्विचार करें। इस मामले में केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रतिनिधित्व कर चुके वकील आरण् पीण् मेहरोत्रा ;त्व् डमीतवजतंद्ध की निजी सुरक्षा वापस लेने के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस रेखा पल्ली ने निणन्य पर पुनर्विचार करने के लिए दिल्ली पुलिस को दो हफ्ते का समय दिया और कहा कि वह अदालत के समक्ष अपनी रिपोर्ट एवं मूल रिकॉर्ड पेश करे। अदालत ने आदेश दिया कि याचिका पर गुण.दोष के आधार पर विचार करने से पहले प्रतिवादी संख्या दो ;दिल्ली पुलिसद्ध को यह निर्देश देना उचित प्रतीत होता है कि वह आज से दो हफ्ते के अंदर निणन्य पर पुनर्विचार करे। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के सितंबर 2013 के निर्देश के आलोक में वकील को पुलिस सुरक्षा दी गई थी। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि सुराक्षा नहीं हटाई जा सकतीए इसके बावजूद सुरक्षा वापस ली गई। ाार पर वापस ले लिया कि मेहरोत्रा ??आधिकारिक पक्षों के बजाय मामले में एक निश्चित हिंदू संगठन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वकील लूथरा ने मेहरोत्रा ??के खिलाफ वर्तमान में ष्खतरे की आशंकाष् नहीं होने के पुलिस के रुख पर आपत्ति जताई और कहा कि सुरक्षा वापसी का निणन्य एक ष्कानूनी सलाहकारष् की राय पर आधारित थाए जब मामले के अन्य समान रूप से रखे गए वकीलों को अभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार सुरक्षा दी जा रही थी।

न्याय के इंतजार में भारत के अधिकांश कैदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्यन खान 18 दिनों से जेल में बंद हैं और उनके अलावा तीन लाख से भी ज्यादा ऐसे कैदी भारतीय जेलों में सालों से बंद हैं, जिनका आज तक जुर्म साबित भी नहीं हुआ. भारतीय न्याय व्यवस्था आधारभूत सुधारों के लिए तरस रही है.भारत में हम अक्सर अखबारों के पहले पनन्े और टीवी के चीखते फॉन्ट वाली खबरों में सिमटे रह जाते हैं. इनके चक्कर में वो खबरें हमारे ध्यान से ओझल ही रह जाती हैं जो बीच के पननें में हैं. टीवी तक तो ये खबरें पहुंच ही नहीं पातीं. लेकिन आज दो अलग अलग खबरों ने इस फासले को मिटा दिया है. स्पॉटलाइट को हड़प लेने वाली खबर और टॉर्च लाइट से ढूंढ कर निकाले जाने वाली खबर दोनों एक ही समस्या का नतीजा हैं. 18 दिनों से बिना जुर्म साबित हुए जेल में बंद आर्यन खान की जमानत याचिका पर आज फिर सुनवाई होनी है, ये खबर तो आपको बिना ढूंढे ही मिल गई होगी. लेकिन छोटे अक्षरों में और कम लाइनों में छपी एक खबर और थी.

एक हिमशैल की नोक तीन साल से बिना अपराध साबित हुए जेल में बंद गौतम नवलखा को अब जेल के ऐसे इलाके में डाल दिया गया है जहां उन्हें 16 घंटे तो एक कोठरी में ही रहना पड़ता है और बाकी के आठ घंटों में भी वो बस एक गलियारे में टहल भर सकते हैं. बॉलीवुड प्रेमियों के लिए आर्यन खान हेडलाइन हैं और ऐक्टिविस्टों के लिए गौतम नवलखा. लेकिन ये दोनों सुखिन्यां दरअसल एक ऐसे हिमशैल की सिर्फ नोक मात्र के बराबर हैं जिनके नीचे एक पहाड़ जैसी समस्या छुपी हुई है. वो समस्या है भारत में जांच एजेंसियों और कुल मिला कर पूरी न्याय व्यवस्था की आजादी के अधिकार के प्रति उदासीनता. आर्यन और गौतम के मामले अपवाद नहीं हैं. भारत की जेलों में इस समय जितने कैदी बंद हैं उनमें से 70 प्रतिशत ऐसे ही हैं जिनका अभी तक दोष साबित नहीं हो पाया है. तीन लाख से भी ज्यादा ऐसे कैदियों में 74.08

प्रतिशत यानी करीब 2.44 लाख कैदी एक साल से जेल में बंद हैं। जमानत ही नियम इनके अलावा 13.35 प्रतिशत यानि करीब 44,000 कैदी एक साल से ज्यादा से, 6.79 प्रतिशत यानी करीब 22,000 कैदी दो साल से ज्यादा से, 4.25 प्रतिशत यानी करीब 14,000 कैदी तीन साल से ज्यादा से और 1.52 प्रतिशत यानी करीब 5,000 कैदी पांच साल से भी ज्यादा से जेल में बंद हैं. और यह संख्या हर साल बढ़ती ही जा रही है. विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट तक कई बार कह चुका है कि जमानत ही नियम होना चाहिए और जेल अपवाद. अनुच्छेद 21 के तहत भारत का संविधान तक बिना किसी लाग-लपेट के कहता है कि निजी स्वतंत्रता हर नागरिक का मौलिक अधिकार है. फिर कैसे हमने ऐसा तंत्र खड़ा कर दिया है जो व्यक्ति का अपराध सिद्ध किए बिना उसे सलाखों के पीछे भेजने से जरा भी नहीं हिचकिचाता? ना हमारी जांच एजेंसियां पेशेवर तरीके से पुख्ता सबूत जुटा कर अपराध साबित ही कर पाती हैं, ना हमारी अदालतें पेशेवर जांच और पुख्ता सबूत के अभाव में व्यक्ति को जेल में ना भेजने का फैसला देने की हिम्मत कर पाती हैं.ब्लैकस्टोन का अनुपात 17वीं शताब्दी में इंग्लैंड के कानूनविद विलियम ब्लैकस्टोन ने एक विचार दिया था जो बाद में लगभग पूरी दुनिया में आधुनिक न्याय व्यवस्था के लिए एक पथ-प्रदर्शक बन गया. उन्होंने कहा था, ठएक भी मासूम को कष्ट नहीं होना चाहिए, भले ही 10 अपराधी बच कर क्यों ना निकल जाएंठ सोच कर देखिए हम इस अवधारणा से कितनी दूर आ गए हैं. छोटी मोटी चोरी से लेकर ड्रग्स और आतंकवाद तक के मामलों में लोगों पर आरोप लगाए जाते हैं और फिर जुर्म साबित होने से पहले उन्हें जेल में डाल दिया जाता है. कई मामले ऐसे हैं जिनमें सालों बाद भी उन लोगों के अपराध साबित नहीं हो पाए और उनके जीवन के कई अमूल्य साल छीन लेने के बाद उन्हें बरी कर दिया गया. ऐसे कई लोगों ने बरी होने के बाद यह पूछा है कि बताइए अब इस विच्छिनन्न आजादी का मैं क्या करूं? ऐसे लोगों के जिन लम्हों, सपनों, खुशियों, जिम्मेदारियों आदि को छीन लिया गया उन्हें वापस लौटाना असंभव है. अक्सर ऐसे मामलों में दोषी अधिकारियों को सजा भी नहीं होती, जिसकी वजह से हमारा तंत्र ऐसी गलती दोहराने से झिझकता भी नहीं है. नतीजा यह कि गिरफ्तारी, जेल और अन्याय का यह सिलसिला अनवरत चलता रहता है. आखिर कब और कैसे बदलेगी हमारी व्यवस्था?.

टेरर फंडिंग और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश

हिज्बुल के दो आतंकियों को 12-12 साल और दो अन्य को 10 साल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए साजिश रचने और उनके लिए धन जुटाने के अपराध में हिज्ब.उल.मुजाहिदीन ;भ्रइ.नस डनरीपकममदद्ध के दो आतंकवादियों को 12.12 साल और संगठन के दो अन्य सदस्यों को 10.10 साल कैद की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने सोमवार को मोहम्मद शफी शाह और मुजफर अहमद डार को 12.12 साल कैद और तालिब लाली तथा मुश्ताक अहमद लोन को 10.10 साल के कारावास की सजा सुनाई। इन चारों आरोपियों ने उनके खिलाफ

लगे सभी आरोपों को 27 सितंबर को स्वीकार किया थाए जिसके बाद चार अक्टूबर को उन्हें दोषी करार दिया गया था। शफी शाह और लाली जम्मू.कश्मीर के बांदीपुरा जिले के रहने वाले हैंए जबकि डार बडगाम जिले का और लोन अनंतनाग जिले का रहने वाला है।

सभी चारों आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधियां ;रोकथामद्ध कानून, धारा 17 ;आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने 18 ;आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की साजिश करने 20, किसी आतंकवादी संगठन या गिरोह का हिस्सा होने के लिए सजा, 40 ;आतंकवादी संगठन के लिए धन एकत्र करने का जुर्मद्ध और 38 ;आतंकवादी संगठन के सदस्यों से जुड़ा दोषद्ध के तहत दोषी करार दिया गया था। इन सभी को भारतीय दंड संहिता, आईपीसी की धारा 120, आपराधिक षड्यंत्र, और 121, भारत सरकार के खिलाफ युद्ध करना युद्ध का प्रयास करना या युद्ध शुरू करने के लिए उकसानाद्ध के तहत भी दोषी ठहराया गया था।

आज सामने आएंगे कैप्टन, अरूसा आलम समेत अपनी पार्टी को लेकर कर सकते हैं बड़ी घोषणा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह बुधवार को चंडीगढ़ में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कैप्टन के मीडिया सलाहकार रवीन ठुकराल ने मंगलवार को एक ट्वीट में ये जानकारी दी। रवीन ठुकराल ने ट्वीट किया, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर कल (बुधवार, 27 अक्टूबर) सुबह 11 बजे चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का उनके फेसबुक पेज पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। ट्यून इन करें।कैप्टन अमरिंदर सिंह बुधवार को चंडीगढ़ में मीडिया के सामने आएंगे। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह अपनी नई पार्टी या फिर उनका अगला कदम क्या होगा इसकी जानकारी दे सकते हैं।

निजी महत्वाकांक्षाओं को दबाकर पार्टी मजबूत बनाएं, टॉप नेताओं संग बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस शासित तीनों राज्यों में अंदरूनी कलह से परेशान पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कार्यसमिती के बैठक के बाद एक बार फिर से पदाधिकारियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाते हुए कहा है कि उन्हें निजी महत्वकांक्षाओं से ऊपर उठते हुए पार्टी को मजबूत करने पर काम करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि देश के जुड़े अहम मुद्दों पर कांग्रेस रोज बयान जारी करती है लेकिन वह जमीनी कार्यकर्ताओं तक नहीं पहुंचता है। सोनिया ने यह भी कहा कि नीतिगत मुद्दों पर राज्य स्तर के नेताओं में वैचारिक स्पष्टता और एकजुटता की कमी दिखती है। बता दें कि इससे पहले बीते हफ्ते हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के दौरान भी सोनिया

गांधी ने कड़ा रुख अपनाते हुए पार्टी नेताओं को नसीहत दी थी कि वे मीडिया की बजाय सीधे उनसे बात करें। पार्टी महासचिवोंए प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में सोनिया गांधी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा और पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि अगर लड़ाई जीतनी है तो जनता के समक्ष भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दुष्प्रचार एवं झूठ को बेनकाब करना होगा। उन्होंने कहा हमें भाजपाआरएसएस के द्वेषपूर्ण दुष्प्रचार के खिलाफ लड़ना है। अगर यह लड़ाई जीतनी है तो हमें पूरे संकल्प के साथ यह करना होगा और जनता के समक्ष उनके झूठ को बेनकाब करना होगा।

पाकिस्तानी सेना ने छीना इमरान सरकार का 'हक', अपनी पसंद के नदीम को बनाया आईएसआई चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय ने 26 अक्टूबर को लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (घ्एघ्) का नया प्रमुख बनाए जाने की जानकारी दी है। नदीम अंजुम को चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ कमर जावेद बाजवा का करीबी बताया जाता है, लेकिन वह

इमरान खान की पसंद नहीं है। आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति को लेकर पाकिस्तान में सेना और सरकार के बीच 20 दिनों से रार ठना हुआ था और अंततः इस रार में सेना द्वारा चुने गए अधिकारी पर पीएम ऑफिस ने अपनी मुहर लगा दी है। बता दें कि सेना ने 6 अक्टूबर को घोषणा की थी कि लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम खुफिया एजेंसी घ्एघ् के प्रमुख होंगे। लेकिन अब तक पीएम ऑफिस ने नियुक्ति को लेकर आधिकारिक सूचना जारी नहीं की थी। इस लेकर इमरान सरकार और सेना के बीच तनाव की रिपोर्ट्स आई थी।

मामला गर्माने के बाद सूचना मंत्री फवाद चौधरी 12 अक्टूबर को मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा है कि घ्एघ् प्रमुख की नियुक्ति का अधिकार पीएम के पास है और इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि नए चीफ की नियुक्ति में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, जिसके लिए जनरल बाजवा और पीएम इमरान खान दोनों सहमत हैं। 19 अक्टूबर को फवाद चौधरी फिर से मीडिया के सामने आए और कहा कि घ्एघ् चीफ की नियुक्ति को लेकर सभी मसलों को सुलझा लिया गया है और जल्द ही नए प्रमुख की नियुक्ति की घोषणा की जाएगी।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025

चीन ने शुरू की तालिबान पर पैसों की बरसात, अब तक 7.5 करोड़ दिए और 37.5 करोड़ देने का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने एक बार फिर तालिबान नेताओं से मुलाकात की है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी दोहा में डिप्टी पीएम मुल्ला बरादर के साथ ही अपने अफगान समकक्ष अमीर खान मुताक्की से मुलाकात की है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने टोलो न्यूज से बात करते हुए कहा है कि चीन ने अब तक 7.5 करोड़ रुपये की मदद की है। उन्होंने आगे कहा है कि चीन मानवीय सहायता, खासकर दवा और भोजन को लेकर 37.5 करोड़ रुपये और देने का वादा किया है। चीन ने अफगानिस्तान के नए नेताओं के खिलाफ के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को फिर से हटाने की मांग की है। चीन ने अफगनिस्तान कि खराब इकॉनमी को देखते हुए कहा है कि वह अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में मदद करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने 25 अक्टूबर को कतर के दोहा में तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल को बीजिंग और तालिबान के बीच पहली उच्च स्तरीय बैठक के दौरान यह बात कही है।

ईरान में बढ़ रहे हैं मृत्युदंड के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र द्वारा कराई गई एक जांच में सामने आया है कि ईरान ने 2020 में 250 से ज्यादा लोगों को मौत की सजा दी, जिनमें चार बच्चे भी शामिल थे. इस साल भी अभी तक 230 लोगों को मृत्युदंड दिया जा चुका है.इस साल जिन्हें मृत्युदंड दे दिया गया उनमें नौ महिलाएं और एक बच्चा शामिल थे. यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र जांचकर्ता जावेद रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की मानवाधिकार समिति को दी. रहमान ने कहा कि ईरान अभी भी ठखतरनाक दरठ से मृत्युदंड दे रहा है. उन्होंने यह भी बताया कि ठइन मामलों के बारे में आधिकारिक आंकड़ों और पारदर्शिता का अभाव है जिसकी वजह से इनके बारे में जानकारी दबी रह जाती हैठ अस्पष्ट आरोप ऐमनेस्टी इंटरनैशनल के मुताबिक मध्य पूर्वी देशों में ईरान में सबसे ज्यादा मृत्युदंड दिए जाते हैं. इस पूरे प्रांत में मौत की सजा के 493 मामले सामने आए, जिनमें से सबसे ज्यादा मामले ईरान के ही थे. उसके बाद मिस्र, इराक और सऊदी अरब का नंबर था. ऐमनेस्टी की सूची में चीन शामिल नहीं है क्योंकि माना जाता है कि वहां हर साल हजारों लोगों को मौत की सजा दी जाती है लेकिन इनके बारे में जानकारी

गोपनीय है. सीरिया जैसे संघर्ष से प्रभावित देशों को भी इस सूची से बाहर रखा गया है

रहमान ने बताया कि उनकी ताजा रिपोर्ट उन वजहों को लेकर भी गंभीर चिंताओं को रेखांकित करती है जिनका इस्तेमाल ईरान मृत्युदंड देने के लिए करता है. इनमें ठराष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लगाए गए अस्पष्ट आरोप शामिल हैंठ उन्होंने यह भी कहा कि ईरान में ठबुरी तरह से दोषयुक्त न्यायिक प्रक्रियाएं हैं जिनमें बुनियादी हिफाजतें तक नहीं हैंठ रहमान ने यह भी बताया कि अदालतें यातनाएं दे कर जबरन हासिल किए गए इकबाल-ए-जुर्म जैसे हथकंडों पर बहुत निर्भर रहती हैं. मानवाधिकारों का उल्लंघन इन सब कारणों से वो इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि ईरान में मृत्युदंड के जरिये मनमाने ढंग से लोगों को जीवन के अधिकार से वंचित रखा जा रहा है. रहमान का जन्म पकिस्तान में हुआ था और उन्होंने लंदन के ब्रुनेल विश्वविद्यालय में मानवाधिकार और इस्लामिक कानून की पढ़ाई की. उन्होंने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि मृत्युदंड के अलावा ईरान में मानवाधिकारों को लेकर कुल मिलाकर हालात काफी खराब हैं. उन्होंने ठमानवाधिकार कानूनों के गंभीर उल्लंघन के लिए भी बार बार दंड से दी जा रही मुक्तिठ की भी बात की और इसमें शक्तिशाली पदों पर आसीन और सरकार में सवोच्च स्तर पर मौजूद लोग भी शामिल हैं. रहमान ने कहा कि ठइसी साल जून में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव इस बात को स्पष्ट रूप से दिखाते हैंठ उन्होंने आगे कुछ नहीं कहा लेकिन ईरान के नए राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी इससे पहले देश की न्यायपालिका के मुखिया थे. अपने करियर की शुरुआत में अभियोजक के रूप में उन्होंने एक कथित ठमृत्यु समितिठ के लिए काम किया जो यह फैसला करती थी कि किसे मौत की सजा दी जाएगी और किसे बख्शा जाएगा. माना जाता है कि 1988 में इस प्रक्रिया के तहत कम से कम 5,000 लोगों को मार दिया गया था।